Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
सकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 211 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, शनिवार 15 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

छत्तीसगढ़ के स्टील का प्रदेश में ही हो अधिकतम मूल्य संवर्धनः डाउनस्ट्रीम और स्पेशियलिटी उत्पादों के निर्माण पर दें जोर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

ग्रीन स्टील पर छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग में 13,840 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

निवेश परियोजनाओं से प्रदेश में 10,921 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर होंगे सृजित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारतीय उद्योग परिसंघ के सहयोग से आयोजित 'छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग ऑन ग्रीन स्टील' में ?13,840 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश में 10,921 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्टील और खनन छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान की मजबूत नींव हैं और आगे भी हमारी ताकत बने रहेंगे। अब समय इस मजबूत नींव पर औद्योगिक विकास की नई इमारत खड़ी करने का है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल स्टील उत्पादन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि छत्तीसगढ़ में उत्पादित स्टील का अधिकतम मूल्य संवर्धन भी प्रदेश के भीतर ही होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का स्टील प्राथमिक रूप में प्रदेश से बाहर जाने के बजाय यहीं ऑटो कम्पोनेंट्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, रेलवे, रक्षा और सौर ऊर्जा उपकरणों जैसे डाउनस्ट्रीम एवं स्पेशियलिटी उत्पादों में परिवर्तित हो। जब मूल्य संवर्धन छत्तीसगढ़ में होगा, तो रोजगार भी छत्तीसगढ़ में ही सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में निवेश करने वाले प्रत्येक निवेशक के साथ पूरी प्रतिबद्धता से खड़ी है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शून्य कार्बन उत्सर्जन के वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप दुनिया तेजी से ग्रीन स्टील की ओर बढ़ रही है और छत्तीसगढ़ देश के उन अग्रणी राज्यों में है, जिन्होंने इस बदलाव को समय रहते अपनाया है। प्रदेश में 26 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत उपलब्धता तथा प्रतिस्पर्धी औद्योगिक विद्युत दरें ऊर्जा-आधारित डाउनस्ट्रीम मैन्युफैक्चरिंग के लिए छत्तीसगढ़ को विशेष रूप से अनुकूल बनाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 ने निवेश के नए द्वार खोले हैं। पिछले 18 महीनों में प्रदेश को लगभग ?8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें स्टील और खनन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल, टेक्सटाइल और एग्रो-प्रोसेसिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी बड़े निवेश प्रस्ताव शामिल हैं।

प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने कारोबारी प्रक्रियाओं में व्यापक सुधार किए हैं। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जिसने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट' लागू किया है। इसके तहत कम जोखिम वाले उद्यमों के लिए स्व-प्रमाणीकरण, जोखिम आधारित नियामकीय व्यवस्था तथा निर्धारित समय-सीमा में आवेदन का निराकरण नहीं होने पर डीम्ड अप्रूवल जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। इन सुधारों से प्रदेश के लगभग 15 लाख एमएसएमई को लाभ मिलने की उम्मीद है।

CRISIL-NITI Aayog Investment Friendliness Inde& 2026 में छत्तीसगढ़ ने प्रमुख राज्यों के बीच 'रेगुलेटरी ईज' और 'इंस्टीट्यूशनल एनवायरनमेंट' में प्रथम स्थान तथा 'एनवायरनमेंटल रेजिलिएंस' में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। हाल ही में नई दिल्ली में गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के दसवें स्थापना दिवस समारोह में छत्तीसगढ़ को '**GeM Sustainable Procurement Award**' से भी सम्मानित किया गया है।

राज्य सरकार औद्योगिक विकास को रायपुर-भिलाई के परंपरागत औद्योगिक क्षेत्र से आगे प्रदेश के अन्य जिलों तक विस्तार दे रही है। राजनांदगांव, धमतरी, जांजगीर-चांपा और बस्तर जिलों में चार नए औद्योगिक पार्क स्वीकृत किए गए हैं।

भारत सरकार ने राजनांदगांव में लगभग 306 एकड़ क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (**EMC** 2.0) को भी स्वीकृति प्रदान की है। इससे बड़े पैमाने पर निवेश और लगभग 9 हजार रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 11 दिव्यांगजनों को तिपहिया स्कूटी, सर्प मित्रों को दिए सुरक्षा किट

रायपुर। साव ने कहा कि दिव्यांगजनों को बेहतर सुविधाएं देकर सम्मान के साथ आत्मनिर्भर जीवन के अवसर देना साय सरकार की प्राथमिकता है। तिपहिया स्कूटी उनके लिए सुविधा के साथ आत्मनिर्भरता का माध्यम बनेगी। उन्होंने सभी लाभार्थियों को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सर्प मित्र श्री सुरेश यादव और श्री प्रदीप निषाद को सर्प रेस्क्यू के लिए सुरक्षा किट प्रदान की। उन्होंने कहा कि इससे सर्प मित्र सुरक्षित तरीके से अपना सेवा कार्य कर सकेंगे। कार्यक्रम में लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा, जनपद अध्यक्ष वर्षा सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रत्ना काटले, कोमलगिरी गोस्वामी, राजेंद्र साहू, डॉ. अशोक जायसवाल, दीनानाथ केशरवानी और अंजना दास सहित पार्षदगण, एल्डरमैन एवं नगरवासी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री ने 11 दिव्यांगजनों को तिपहिया स्कूटी, सर्प मित्रों को दिए सुरक्षा किट

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने छात्रों को दिया 'सहकार से रोजगार' का मंत्र

रायपुर। विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने विद्यार्थियों को 'सहकार से रोजगार' का मंत्र दिया। कृषि महाविद्यालय रायपुर के सेमिनार हॉल में भारतीय श्रम समिति नई दिल्ली, भारतीय गुणवत्ता परिषद एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यशाला में नेताम ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधियों का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता का प्रभावी रास्ता भी है।

कृषि मंत्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में युवाओं को केवल नौकरी की तलाश करने के बजाय रोजगार सृजक बनने की दिशा में भी सोचने की आवश्यकता है। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से युवा मिलकर संसाधनों, तकनीक और बाजार का बेहतर उपयोग कर छोटे और मध्यम स्तर के उद्यम स्थापित कर सकते हैं।

तिरंगा यात्रा के दूसरे दिवस मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर उप मुख्यमंत्री एवं वन मंत्री ने किया यात्रा का शुभारंभ

रायपुर। तिरंगा यात्रा के दूसरे दिवस उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वन मंत्री केदार कश्यप ने माँ दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात दंतेवाड़ा बस स्टैंड में आयोजित तिरंगा यात्रा कार्यक्रम को संबोधित किया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि दंतेवाड़ा जिले के 211 सर्वोच्च बलिदानी वीर जवानों को नमन करते हुए कहा कि बस्तर की जनता, समाज प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों के अमूल्य सहयोग से आज नक्सलवाद का खात्मा संभव हुआ है।

उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा उन क्षेत्रों से गुजर रही है, जहां कभी नक्सल आतंक के कारण पहुंचना भी मुश्किल था। आज उन्हीं क्षेत्रों में पूरे गौरव और उत्साह के साथ तिरंगा लहराया जा रहा है। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए आमजनों से अपने घरों में तिरंगा लगाने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ हर घर तिरंगा अभियान में सहभागिता निभाने की अपील की।

हमारी माताएं-बहनें जितनी सशक्त होंगी, छत्तीसगढ़ उतना ही समृद्ध और मजबूत बनेगा : राजेश अग्रवाल

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व अंबिकापुर जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केदमा में राष्ट्रभक्ति, विकास और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम देखने को मिला। ग्राम केदमा में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल शामिल हुए।

इस अवसर पर ग्रामवासियों को विकास की दो महत्वपूर्ण सौगातें मिलीं। मंत्री श्री अग्रवाल ने 2 करोड़ 42 लाख की लागत से निर्मित विद्युत सब-स्टेशन का लोकार्पण किया तथा महतारी सदन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। तिरंगा यात्रा के दौरान राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश जन-जन तक पहुंचा। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व आयोजित इस यात्रा ने क्षेत्र में देशभक्ति की भावना को और प्रबल किया। महतारी सदन के भूमिपूजन के अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमारी माताएं-बहनें जितनी सशक्त होंगी, छत्तीसगढ़ उतना ही समृद्ध और मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना समाज और क्षेत्र का समग्र विकास संभव नहीं है।

कलेक्टर ने जिले के अंतिम छोर के ग्राम कड़ेनार में स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

कोंडागांव । कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने बुधवार को जिले के अंतिम छोर स्थित ग्राम कड़ेनार पहुंचकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया तथा दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी ली।

कलेक्टर ने ग्रामीणों को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी और मरीजों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम कड़ेनार में निर्माणाधीन प्राथमिक शाला भवनों का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने भवन का निर्माण निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम बेचा को जोड़ने के लिए निर्माणाधीन मार्ग में माड़ीन नदी पर बनाए जा रहे पुल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, एसडीएम अजय उरांव, तहसीलदार विजय प्रताप सिंह, जनपद पंचायत सीईओ उत्तम महोबिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में कांकेर सांसद भोजराज नाग करेंगे ध्वजारोहण

कोण्डागांव । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के विकास नगर स्टेडियम में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में कांकेर सांसद भोजराज नाग ध्वजारोहण करेंगे। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा और परेड की सलामी ली जाएगी। साथ ही जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन का अंतिम रिहर्सल गुरुवार को विकास नगर स्टेडियम में किया गया। इस दौरान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना और पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने तैयारियों का जायजा लिया तथा तथा सुव्यवस्थित एवं गरीमामयी आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन के अंतिम रिहर्सल में मुख्य अतिथि की भूमिका में जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई रहे। इस दौरान परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक मुकेश जोशी और सेकेंड इन कमांड निरीक्षक रितेश मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस बल, एनसीसी, स्काउट गाइड सहित विभिन्न टुकड़ियों ने मार्चपास्ट का अंतिम अभ्यास किया।

युवा अपने हौसलों को मजबूत कर लक्ष्य हासिल करें : वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी

बलौदाबाजार (महाकोशल)। उच्च शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य प्रकोष्ठ द्वारा गुरुवार को जिला ऑडिटरियम बलौदाबाजार मे नशामुक्त विकसित भारत तथा नशामुक्त सशक्त युवा एवं संत रविदास जयंती अंतर्गत युवा नेतृत्व एवं कौशल विकास क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। वित्त मंत्री ओ. पी.चौधरी मुख्य वक्ता के तौर पर इस कार्यशाला मे शामिल हुए और युवाओं को प्रेरित करते हुए जीवन में आने वाली चुनौतियों. का डटकर सामना करने और अपने तय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल,जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा गोलू जायसवाल उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि युवाओ मे असीम ऊर्जा निहित होते है,उस ऊर्जा को सही दिशा मे लगाने से परिवर्तन जरूर होता है। इतिहास गवाह है भारत वर्ष मे ऐसे अनेक युवा हुए हैं जिन्होंने कम आयु मे ही ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है जिसमें शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद,खुदीराम बोस,शहीद भगत सिंह जैसे विभूति शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जीवन मे कोई भी कठिनाई आए तो उससे घबराकर हार नहीं मानना है बल्कि सामना करें,कठिनाई मार्ग के बाधक नहीं बल्कि साधक हैं। सड़क मे गड्ढे होते हैं तो हम चलना नहीं छोड़ते,गड्ढे से छलांग लगाकर पार होते हैं और अपने

गंतव्य की ओर बढ़ जाते हैं।उन्होंने कहा कि युवा मन मे जूनून पैदा करें और कुछ कर गुजरने की इच्छा रखें,बिना रिस्क लिये जिंदगी मे सफलता नहीं मिलती, रिस्क लेने की क्षमता विकसित करें। मंत्री चौधरी ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे भारत का डंका विदेशो मे बज रहा है। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने हम सबकी सहभागिता जरुरी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ मे एक समय मे केवल एक मेडिकल कॉलेज हुआ करता था लेकिन आज 20 होने जा रहा है,नर्सिंग कॉलेज 24 हो गए है। राजधानी मे कई राष्ट्रीय महत्व के संस्थान खुल गये हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान मे केवल डिग्री हासिल करने मात्र से नौकरी की गारंटी नहीं है, अब डिग्री के साथ कौशल भी जरूरी है।

स्वतंत्रता दिवस पर जांजगीर में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब करेंगे ध्वजारोहण

जांजगीर-चांपा । 15 अगस्त 2026 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले समारोह में कौशल विकास एव तकनिकी शिक्षा रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि होंगे तथा शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में ध्वजारोहण करेंगे। जिसके पश्चात कौशल विकास एव तकनिकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब परेड की सलामी लेंगे तथा मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के संदेश का वाचन करेंगे।

मिनट टू मिनट कार्यक्रम

स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह के मिनट टू मिनट कार्यक्रम के अनुसार अतिथि का आगमन प्रात: 08.59 में होगा। प्रात: 09 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण, प्रात: 09.01 बजे से राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रगान एवं सलामी, प्रात: 09.10 बजे से मुख्य अतिथि द्वारा मुख्यमंत्री का संदेश वाचन, 09.25 बजे से छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रात: 09.55 बजे तक पुरस्कार वितरण और 10.15 कार्यक्रम का समापन होगा।

शासकीय हाई स्कूल नरी में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण

बेमेतरा । शासकीय हाई स्कूल नरी में एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण किया गया साथ ही तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य सुनील कुमार झा ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाते हुए कहा कि जिस तेजी से पृथ्वी गर्म हो रही है और पर्यावरण प्रदूषण के कारण पृथ्वी पर जीवन के समाप्त होने का खतरा बढ़ते जा रहा है हमें अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाना चाहिए, उन्होंने उपस्थित ज़न प्रतिनिधियों एवं विद्यार्थियों से आह्वान किया कि आपको बाड़ी, खेत के मेड़,तालाब के किनारे, मैदान के चारों ओर जहाँ भी उचित जगह मिले वहाँ पौधे का रोपण करें और उसका संरक्षण सुनिश्चित करते हुए उसे पेड़ में परिवर्तित होते देखे। वर्तमान समय में सबसे बड़ा कोई

धर्म है तो वह है पर्यावरण संरक्षण इसी उद्देश्य को लेकर हम अपनी संस्था में आज जागृति ईको क्लब के प्रभारी व्याख्याता दुर्गा प्रसाद सोनी और सभी सदस्यों के विशेष प्रयास से वृहद वृक्षारोपण कर रहे हैं, आज शाला परिसर में 50 से अधिक फलदार, छायादार पेड़ पीपल, बड़,नीम, आम, जामुन, गुलमोहर,आदि का रोपण किया गया और उनके संरक्षण की पूरी व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि संस्था में इको क्लब के माध्यम से बहुत से औषधिय पौधों सहित किचन गार्डन भी विकसित किया गया है। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राम किसुन साहू एवं सरपंच लोकेश साहू ने संस्था के इस कार्य को पर्यावरण संरक्षण की दिशा मे महत्वपूर्ण कदम कहा एवं संपूर्ण ज़न सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर इस अभियान में अपनी सार्थक भूमिका निभाई।

गुण्डरदेही पेंशनर समाज ने किया नए सदस्यों का सम्मान

बालोद । तहसील पेंशनर समाज गुण्डरदेही, जिला बालोद की मासिक बैठक विगत दिवस सम्पन्न हुई। बैठक में सर्व प्रथम मां सरस्वती के तैल चित्र का पूजन वंदन समाज के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। पश्चात अगस्त माह में जन्म लिये पेंशनरो का श्रीफल व तिलक लगाकर सम्मान किया गया। समाज में प्रथम बार जुड़ने वाले सदस्यों का भी श्रीफल व तिलक लगाकर सम्मान किया गया। माह में पैसे के आवक जावक का लेखा जोखा समाज के कोषाध्यक्ष एचबी मिश्रा द्वारा दिया गया। बाद में पदाधिकारियों द्वारा पेंशन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। बैठक को संबोधित करने वालों में अध्यक्ष अशोक साहू, उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह मंडावी, सचिव गिरिजा शंकर अग्निहोत्री, भवानी राम, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती यामिनी मिश्रा, रमेश यादव, शिव कुमार अंगारे आदि थे। अध्यक्ष अशोक साहू ने सावन महिना और भोले बाबा का सुन्दर भजन सुनाया, गजपति राम साहू द्वारा भी भगवान शिव के श्रृंगार का सुन्दर वर्णन सुनाते हुये बैठक का संचालन व समापन किया गया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि हम सबको तन मन धन से पेंशनर समाज के विकास को लेकर कार्य करना है।

नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण पर जोर

बेमेतरा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार आगामी नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक प्रकरणों के आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से निराकरण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक आगामी 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संदर्भ में आर्बिट्रेशन, क्लेम एवं बीमा कंपनी के अधिवक्तागण तथा बैंक एवं फाइनेंस कंपनी के अधिकारियों के साथ हुई। बैठक की अध्यक्षता सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा ने की। इस अवसर पर देवेन्द्र कुमार, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्रीमती सादीक्षित, द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश

तथा श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा उपस्थित रहीं। बैठक में अध्यक्ष द्वारा आर्बिट्रेशन, क्लेम एवं बीमा कंपनी से संबंधित लंबित प्रकरणों में पक्षकारों के साथ प्री-सिटिंग आयोजित कर आपसी सुलह एवं समझौते के माध्यम से अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा की गई। संबंधित अधिवक्ताओं से लंबित प्रकरणों में पक्षकारों से संवाद स्थापित कर लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण के लिए आवश्यक पहल करने कहा गया। इसी प्रकार बैंक एवं फाइनेंस कंपनियों के अधिकारियों से अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत के लिए प्रस्तुत करने के संबंध में चर्चा की गई। अधिकारियों को प्रकरणों का समय-सीमा में प्रस्तुतिकरण एवं पंजीयन, पक्षकारों को नोटिस की तामिली तथा पक्षकारों के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में राजीनामा एवं समझौता कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया।

बृजमोहन अग्रवाल ने नागरिक उड्डयन मंत्री से की मुलाकात रायपुर-बिलासपुर एयरपोर्ट विकास को मिलेगी नई उड़ान

नई दिल्ली/रायपुर। रायपुर लोकसभा सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में हवाई सेवाओं और विमानन अधोसंरचना के विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा देने तथा बिलासपुर के बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट के उन्नयन के लिए ?300 करोड़ के विशेष केंद्रीय अनुदान की मांग को लेकर केंद्रीय मंत्री को पत्र सौंपा।

अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से आर्थिक, औद्योगिक और पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में राज्य में मजबूत और बेहतर हवाई कनेक्टिविटी समय की आवश्यकता

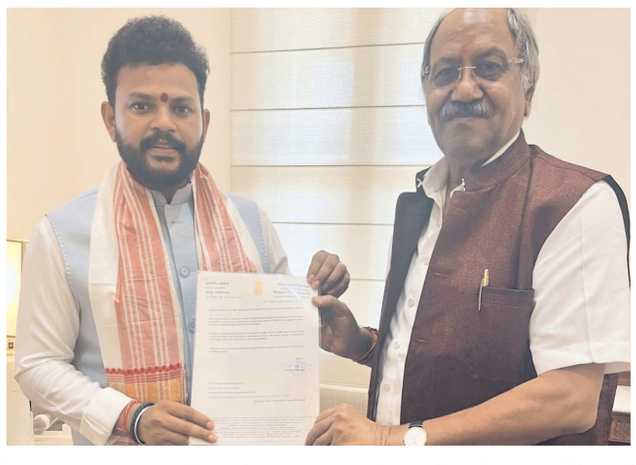

है। रायपुर का स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि ओडिशा, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों के लिए भी महत्वपूर्ण हवाई केंद्र है। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए यात्रियों को दिल्ली, मुंबई या हैदराबाद जैसे शहरों के माध्यम से जाना पड़ता है, जिससे समय और अतिरिक्त खर्च दोनों बढ़ते हैं।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट, रायपुर को शीघ्र अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा प्रदान करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा रायपुर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन की प्रक्रिया को गति दी जाए। सांसद ने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ की देश और दुनिया से सीधी कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा व्यापार, उद्योग, निवेश, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बिलासपुर के बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट के उन्नयन का विषय भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने एयरपोर्ट को 3श्ट से 4श्ट श्रेणी में उन्नत करने के लिए ?300 करोड़ के विशेष केंद्रीय अनुदान की मांग की। उन्होंने बताया कि यह एयरपोर्ट छत्तीसगढ़ के 14 जिलों के साथ-साथ मध्यप्रदेश के 3 समीपवर्ती जिलों के लोगों के लिए भी महत्वपूर्ण हवाई सुविधा का केंद्र है।

हरेली गेड़ी दौड़ उत्सव ने भरा छुईखदान में उत्साह का रंग, हजारों की संख्या में पहुंचे दर्शक

छुईखदान। जिले की प्रमुख सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था प्रेरणा द्वारा पिछले तीन दशकों से समाज सेवा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से लोगों तक उत्सव, सेवा और भाईचारे का संदेश पहुंचाया जा रहा है। इसी कड़ी में हरेली पर्व के अवसर पर आयोजित 16वीं प्रेरणा गेड़ी दौड़ प्रतियोगिता में हजारों की संख्या में ग्रामीण एवं नगरवासी शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि प्रेरणा संस्था के आयोजनों की सफलता के बारे में उन्होंने पहले भी सुना था, लेकिन आयोजन को प्रत्यक्ष देखने के बाद महसूस हुआ कि यह कार्यक्रम उनकी कल्पना से भी कहीं बेहतर है। उन्होंने कहा कि

छत्तीसगढ़ के पहले प्रमुख लोकपर्व हरेली के अवसर पर इतना भव्य आयोजन करने के लिए प्रेरणा संस्था के सभी कर्मठ सदस्यों को साधुवाद दिया।

नगर पंचायत छुईखदान के पूर्व अध्यक्ष गिरिराज किशोर ने कहा कि वे प्रेरणा संस्था के अधिकांश आयोजनों में अतिथि के रूप में शामिल होते रहे हैं। संस्था छोटे-छोटे आयोजनों के माध्यम से तीज-त्योहार, सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय अवसरों को सतरंगी बना देती है। उन्होंने कहा कि प्रेरणा के प्रत्येक आयोजन में सामाजिक समरसता के साथ संस्कारों का समावेश दिखाई देता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि खम्हन ताम्रकार ने आयोजन में उमड़ी भीड़ को संस्था के प्रति जनता के विश्वास का प्रमाण बताया।

जनदर्शन में महापौर के हाथों ट्राईसाईकल पाकर दिव्यांग के चहरे पर झलकी खुशी

राजनांदगॉव । संस्कारधानी के मोतीपुर वार्ड स्थित महापौर निवास में आयोजित आज के जनदर्शन कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव के विशेष प्रयासों से एक दिव्यांग के दैनिक जीवन को सरल बनाने के सादाशय से ट्राईसाईकल उपलब्ध करायी गयी । उल्लेखनीय है कि महापौर निवास में प्रत्येक गुरूवार एवं रविवार को आयोजित जनदर्शन में महापौर मधुसूदन यादव द्वारा न केवल राजनांदगॉव शहर एवं जिला, बल्कि संपूर्ण राजनांदगॉव लोकसभा क्षेत्र की जनता भी अपनी समस्या निवारण के लिये पहुॅचती हैं, जिन्हें महापौर एवं पूर्व सांसद मधुसूदन यादव द्वारा यथासंभव सहयोग प्रदान कर समस्या निवारण हेतु यथोचित प्रयास किया जाता है। इसी तारतम्य में विगत रविवार को जनदर्शन में महापौर के पास पहुॅचे 16 वर्षीय दिव्यांग फरियादी मुकेश सोनकर आत्मज प्रमोद सोनकर निवासी वार्ड नं.11 शिवनगर, राजनांदगॉव ने महापौर को आवेदन देकर स्वयं के लिये ट्राईसाईकल उपलब्ध करवाने के लिये गुहार लगाई थी। इस 16 वर्षीय दिव्यांग आवेदक ने महापौर को अवगत कराया था कि वह 5 सदस्यी निर्धन श्रमिक परिवार का सदस्य है, उसके मॉ-बाप

मेहनत मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का जीवनयापन करते हैं, और आवेदक स्वयं सेरेब्रल पालिसी डिस्आर्डर के कारण 60 प्रतिशत विकलांगता से ग्रस्त है, जिसके कारण उसे अपने आवागमन हेतु ट्राईसाईकल की सख्त आवश्यकता है। महापौर ने आवेदक के आवेदन पर संवेदनशीलतापूर्वक संज्ञान लेते हुए समाज कल्याण विभाग से सारी औपचारिकताएॅ पूर्ण करवाकर आवेदक के लिये ट्राईसाईकल उपलब्ध करायी, जिसे आज महापौर निवास में आयोजित जनदर्शन में हितग्राही मुकेश सोनकर को महपौर जी के हस्ते प्रदान किया गया ।

बसंतपुर और सलिहाघाट के मध्य में स्थित महानदी पुल की हालत खराब

जांजगीर-चांपा । बसंतपुर और सलिहा घाट के मध्य में स्थित महानदी के ऊपर बने पुल की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई है। पुल कुछ ही सालों में बहुत ज्यादा जर्जर हो चुका है। यह पुल जांजगीर चांपा, सारंगढ़, सक्ती, बलौदा बाजार , कोरबा , रायगढ़, बिलासपुर, महासमुंद ,रायपुर आदि कई जिलों को जोड़ने वाला एकमात्र पुल है। इस पुल से रोजाना हजारों की तादात में दो पहिया एवं चार पहिया और यात्री बसें के अलावा बड़े-बड़े भारी वाहन आवागमन करते हैं। जिम्मेदार विभाग और शासन प्रशासन को किसी बड़े दुर्घटना का इंतजार किया जा रहा है। इस पुल में बने जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढा में बरसाती पानी भरने और सरिया के झांकने से आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि जांजगीर चांपा जिला के जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत अंतिम छोर पर स्थित ग्राम बसंतपुर में महानदी के ऊपर बने पुल समुचित देख रेख एवं मरम्मत के अभाव में बहुत ज्यादा खराब हो गया है।

कृषि सूचना केंद्र के जरिए किसानों को मिली आधुनिक खेती की सौगात

जगदलपुर। कुम्हारवंड स्थित शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र जगदलपुर के ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के छात्रों द्वारा ग्राम पंचायत कुम्हारावंड में एक दिवसीय कृषि सूचना केंद्र का आयोजन किया गया। मंगलवार को आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय किसानों के बीच वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रचार-प्रसार करना और कृषि छात्रों तथा ग्रामीण परिवेश के बीच संवाद को सुदृढ़ बनाना था।

इस महत्वपूर्ण आयोजन के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के अधिष्ठाता डॉ आरएस नेताम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में सहायक संचालक अनुसंधान डॉ अश्वनी ठाकुर, कीट वैज्ञानिक डॉ नेमीचंद मंडावी और रावे समन्वयक डॉ जेएल सलाम शामिल हुए। कुम्हारावंड की ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रेवती ध्रुवे, कृत्रिम गर्भाधान केंद्र के प्रभारी अमन तिवारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि के रूप में पंच पीतांबर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्रों के मेजबान कृषक वेद प्रकाश पांडे, जया जोशी, टेकाम जोशी, अजयस्वर जोशी, अभिषेक जोशी सहित बड़ी संख्या में संपर्क किसानों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मंच से विशेषज्ञों ने उपस्थित जनसमूह और छात्रों को व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता डॉ आरएस नेताम ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि एक सफल कृषि विशेषज्ञ बनने के लिए ग्रामीण परिवेश में खुद को ढालना बेहद जरूरी है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे ग्रामीणों की वास्तविक आवश्यकताओं और उनकी समस्याओं को समझें तथा उसी के आधार पर अपने कृषि कार्य व शोध को आगे बढ़ाएं। खरीफ सीजन की मुख्य फसल को ध्यान में रखते हुए डॉ अश्वनी ठाकुर ने उपस्थित किसानों को धान की फसल में खरपतवार (नदाव) नियंत्रण के वैज्ञानिक और प्रभावी उपाय विस्तार से बताए, ताकि फसल की उत्पादकता सुरक्षित रहे। वहीं कीट वैज्ञानिक डॉ नेमीचंद मंडावी ने फसलों पर लगने वाले विभिन्न हानिकारक कीटों एवं बीमारियों पर प्रकाश डालते हुए जैविक और रासायनिक दोनों पद्धतियों से बचाव के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन तोमन साहू ने जिला कार्यालय में ली बैठक

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन तोमन साहू की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं वार्षिक कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए चेयरमैन तोमन साहू ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी का मुख्य उद्देश्य मानवीय सेवा करना है। उन्होंने वार्षिक कार्ययोजना के अनुरूप जिले में रेडक्रॉस की गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने तथा सेवा कार्यों में आमजन की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने देहदान एवं अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाने तथा इसके लिए समिति गठित करने की बात कही।

कौशल विकास प्रशिक्षण ने खोली आत्मनिर्भरता की राह, 25 प्रशिक्षणार्थियों को मिले प्रमाण-पत्र

सुकमा । कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर मधु तेता की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग, सुकमा के संयुक्त तत्वावधान में आत्मसमर्पित प्रशिक्षणार्थियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय विशेष कौशल विकास प्रशिक्षण का समापन जिला पुनर्वास केंद्र में प्रमाण-पत्र वितरण के साथ हुआ। 22 जून से 14 जुलाई 2026 तक चले इस प्रशिक्षण में 25 प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता की। उप संचालक कृषि पी.आर. बघेल एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख राजेन्द्र प्रसाद कश्यप सहित अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रशिक्षण के दौरान आत्मसमर्पित प्रशिक्षणार्थियों को प्राकृतिक खेती और कृषि आधारित आजीविका से जुड़े विभिन्न विषयों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र, नाडेप खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, हरी खाद, गहरी जुताई, फलदार पौधों का रोपण, कृषि यंत्रों का उपयोग, बकरी एवं मुर्गी पालन, ऑयस्टर मशरूम उत्पादन, सब्जी नर्सरी, धान की कतार बुवाई और मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों से प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार के व्यावहारिक अवसरों से परिचित कराया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख राजेन्द्र प्रसाद कश्यप ने प्राकृतिक खेती को कम लागत और स्थानीय संसाधनों पर आधारित टिकाऊ कृषि पद्धति बताते हुए प्रशिक्षणार्थियों को इसके माध्यम से खेती की लागत घटाने तथा मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कृषि विज्ञान केंद्र में हर्षोल्लास से मना हरेली तिहार, किसानों ने की कृषि यंत्रों की पूजा

सुकमा। कृषि संस्कृति और परंपरा के प्रतीक हरेली अमावस्या तिहार के अवसर पर बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा के मुरतोण्डा स्थित प्रक्षेत्र में हरेली तिहार हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कृषि यंत्रों एवं उपकरणों की विधिवत पूजा-अर्चना कर जिले के किसानों की समृद्धि, खुशहाली और अच्छी फसल की कामना की गई। मुख्य अतिथि मुरतोण्डा के सरपंच मुक्का नाग एवं विशेष अतिथि भारतीय किसान संघ के महामंत्री तथा प्राकृतिक खेती के मास्टर ट्रेनर धरम नाग ने किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा रासायनिक कृषि आदानों पर निर्भरता कम करने के लिए प्रेरित किया। उप संचालक कृषि पी.आर. बघेल ने किसानों को हरेली तिहार की शुभकामनाएं देते हुए फसल बीमा सहित कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख राजेन्द्र प्रसाद कश्यप ने मुरतोण्डा प्रक्षेत्र में धान, हल्दी एवं अन्य फसलों के प्रदर्शन तथा पौधारोपण गतिविधियों की जानकारी देते हुए किसानों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप वैज्ञानिक कृषि पद्धतियां अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

10 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य

सुकमा। बस्तर तिरंगा यात्रा के उपलक्ष्य में 13 अगस्त 2026 को सुकमा जिले में व्यापक 'आयुष्मान महा अभियान' आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर अमित कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें जिला प्रशासन के सहयोग से ग्राम-ग्राम और घर-घर पहुंचकर पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाएंगी। प्रशासन ने 10 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, ताकि जिले के अधिक से अधिक परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल सके। अभियान के माध्यम से पात्र परिवारों को आयुष्मान योजना के तहत प्रति वर्ष 5 लाख रू तक के कैशलेस उपचार की सुविधा का लाभ दिलाने पर जोर दिया जा रहा है। वहीं 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

हलामी मुंजमेटा झारा धौड़ाई और कन्हारगांव पहुंची तिरंगा यात्रा, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

'एक पेड़ शहीदों के नाम' के तहत किया पौधारोपण, शहादत की स्मृति को संजोने का लिया संकल्प

नारायणपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति, शांति और विकास का संदेश लेकर निकली 'बस्तर तिरंगा यात्रा 2026' आज हलामी मुंजमेटा , झारा धौड़ाई और कन्हारगांव पहुंची। रैली के साथ उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री तथा नारायणपुर विधायक केदार कश्यप ने सभी के साथ भारत माता की जयकारे लगते हुए आगे बढ़े। हलामी मुंजमेटा पहुंचने पर तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों ने नक्सल हिंसा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर हलामी मुंजमेटा में नक्सली हमले में शहीद हुए स्व. बलिराम पोटाई, स्व. संतोष श्रीमाली, स्व. सोमारू राम वट्टी, स्व. अब्दुल वाहिद खान की श्रद्धांजलि दी गयी।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान शहीद जवान की शहादत को याद करते हुए उनके बलिदान को नमन किया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि देश की सुरक्षा और शांति के लिए जवानों ने जिस साहस और समर्पण के साथ अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

इसके पश्चात बाइक रैली झारा पहुंचा इस दौरान 'एक पेड़ शहीदों के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। शहीदों की स्मृति में वट वृक्ष, आमला, आम, काजू के पौधे लगाए गए एवं उनके बलिदान और देश के प्रति समर्पण की जीवंत स्मृति के रूप में संजोने का संकल्प लिया गया। यह पहल शहीदों की वीरगाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रभक्ति को एक साथ जोड़ने का संदेश देती है इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलावाद के खात्मे के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि गांव में कोई मेहमान आएंगे तो कोई रोक टोक नहीं होगी, अब मेला मड़ई रोकने वाला कोई नहीं, अब आपको परेशान करने वाला कोई नहीं, अब आपके घरों को लूटने वाला कोई नहीं है। बाबा साहेब के लिखे भारत के संविधान में इतनी ताकत है कि सभी को आगे लेकर जाए। अब संविधान को लागू होने से रोकने वाला कोई नहीं है। स्वतंत्रता दिवस पर खुशी मनाने के लिए सिर्फ बाइक रैली में ही शामिल होना जरूरी नहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप हर घर में तिरंगा लगाया जाना है, क्योंकि अब किसी को घर में तिरंगा लगाने से रोकने वाला कोई नहीं है।

सभी ने अमर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उनकी याद में नारे लगाए और शहीदों की शहादत की याद में गांव के सरपंच ने गांव की पवित्र मिट्टी प्रदान किया। जिसे शहीद संग्रहालय में रखा जायेगा। इसके पश्चात बाइक रैली महाराबेड़ा पहुंचा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 27 जवान शहीद हुए थे उनकी वीरगाता ग्रामीणों से पूछा। उसके पश्चात धौड़ाई पहुंच कर एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके पश्चात कन्हारगांव पहुंचकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप के द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि देकर एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत 291.48 लाख रुपए के 48 कार्यों के सीसी सड़क निर्माण, सामाजिक भवन निर्माण और सड़क मुरमीकरणकरण कार्य का भूमि पूजन किया।

पुलिस परेड ग्राउंड में कलेक्टर-एसएसपी ने स्कूली बच्चों को दिलाई तिरंगा शपथ

बिलासपुर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह ने उपस्थित जनसमुदाय को तिरंगा शपथ दिलाई। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे, सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल, एडीएम शिवकुमार बनर्जी, अन्य अधिकारी-कर्मचारी, हजारों की संख्या में स्कूली बच्चे एवं अन्य नागरिक मौजूद रहे।

तिरंगा शपथ के दौरान स्कूली बच्चों सहित सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रध्वज की गरिमा एवं सम्मान बनाए रखने, देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने तथा राष्ट्रहित के प्रति सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। बड़ी संख्या में बच्चों द्वारा एक साथ तिरंगा शपथ लेने से पुलिस परेड ग्राउंड देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत नजर आया।

अवैध परिवहन पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, 4 ट्रैक्टर और 1 टिपर जब्त

एमसीबी (वीएनएस)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर: जिला कलेक्टर के आदेश पर खनिज विभाग ने अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में तहसील मनेंद्रगढ़ के अंतर्गत ग्राम-घुटरा, हस्तिनापुर और चैनपुर क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। टीम ने मुरुम, मिट्टी (ईंट) और रेत का अवैध परिवहन करते हुए 4 नाग ट्रैक्टर और 1 नाग टिपर को रंगे हाथों पकड़ा।

खनिज विभाग ने इन सभी वाहनों को जब्त कर कलेक्ट्रेट परिसर में खड़ा करवा दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, इन वाहन मालिकों के खिलाफ खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 और छ.ग. गौण खनिज नियम 2015 के तहत नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खेल व युवा दिवस पर बालिकाओं ने दिखाई प्रतिभा, विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

एमसीबी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुंदेली में खेल एवं युवा दिवस का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन महिला सशक्तिकरण केंद्र हब की जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कुर्सी दौड़, रस्साकस्सी, 100 मीटर दौड़, लंगड़ी दौड़ सहित अन्य खेल गतिविधियां शामिल रहीं। बालिकाओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेल गतिविधियों के माध्यम से बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का संदेश दिया गया।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार प्राप्त करने वाली बालिकाओं के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण से अंजनी यादव, सखी वन स्टॉप सेंटर से प्रियंका राजवाड़े तथा महिला सशक्तिकरण केंद्र से अनीता कुमारी शाह ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही विद्यालय एवं शिक्षा विभाग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा भी कार्यक्रम के आयोजन में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत निकली तिरंगा यात्रा

विधायक उसेंडी सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण और विद्यार्थी हुए शामिल

कोंडागांव। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से गुरुवार को कोंडागांव में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के पूर्व जिले में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी के नेतृत्व में आयोजित इस तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विद्यार्थी एवं नगरवासी शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा शहर भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

तिरंगा यात्रा की शुरुआत विकास नगर स्टेडियम से हुई। यहां से विधायक लता उसेंडी सहित जनप्रतिनिधिगण, विद्यार्थी एवं अन्य सहभागी तिरंगा लेकर एनसीसी ग्राउंड पहुंचे। इसके बाद एनसीसी ग्राउंड से बाइक रैली के रूप में तिरंगा यात्रा आगे बढ़ी। रैली मर्दापाल चौक से होते हुए रायपुर नाका पहुंची और वहां से वापस विकास नगर स्टेडियम लौटकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में लोगों ने उत्साह के साथ तिरंगा लहराते हुए देशप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना प्रदर्शित की।

इस अवसर पर विधायक लता उसेंडी ने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। आज हम उन महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन करते हैं, जिन्होंने अपना सर्वस्व न्योछावर कर देश को आजादी दिलाई। उनके संघर्ष और बलिदान के कारण ही हम आज स्वतंत्र वातावरण में सांस ले रहे हैं। उन्होंने देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए सदैव एकजुट रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा, पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, मनोज जैन, दीपेश अरोरा, जितेन्द्र सुराना सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। साथ ही सोनामणि पोयाम, सुषमा खोब्रागड़े, संतोष पात्रे, आकाश मेहता, चंदन साहू, अनिल अग्रवाल, गोपाल दीक्षित, जितेंद्र सुराना, अनीता नेताम, कुलवंत सिंह चहल, राहुल योगराज टिकरिया, विकास दुआ, नागेश देवांगन, बंटी नाग, दयाराम पटेल, जैनेंद्र सिंह ठाकुर, मनीष देवांगन, अविनाश सोरी, होलिका नेताम सहित जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा, एसडीएम अजय उरांव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में नगरवासी तिरंगा यात्रा में सहभागी बने।

महान लीडर उपलब्धि हासिल करने से पहले ही प्रेरित करते हैं

अशोक सिर्फ 21 साल के थे। उन दिनों नौकरियां बहुत कम थीं। उनकी बेचैनी उन्हें हमेशा आर्म्ड फोर्सेज में अवसर तलाशने को प्रेरित करती थी। फिर एक मौका आया। वैसा नहीं, जैसा उन्होंने सोचा था लेकिन उस राह पर कदम रखने के काफी करीब था। यह सीआरपीएफ में एक पद था।

उन्होंने किस्मत आजमाने का फैसला किया। वहां पहले से ही सैकड़ों लोग थे। उत्सुक और उम्मीद से भरे हुए। जब उन्हें बताया गया कि रेजिमेंट को मुश्किल और दूर-दराज के इलाकों में तैनात किया जाएगा तो आधे-से ज्यादा लोग चले गए। फिर बहुत-से इसके बाद हुए टेस्ट राउंड्स में बाहर हो गए। अशोक टिके रहे, क्योंकि उनमें कुछ हासिल करने की जिद थी।

उस थकाऊ दिन के खत्म होने से पहले मेजर केके चटर्जी की नजर भूखे और थके हुए अशोक पर पड़ी। मेजर चटर्जी आर्मी के बाद अपनी दूसरी सर्विस कर रहे थे। वे अशोक को ऑफिसर्स मेस ले गए। उन्हें भरपेट खाना खिलाया और फिर कुछ ऐसा किया, जिसकी उम्मीद नहीं थी।

मेजर ने अशोक को अपनी पत्नी से मिलवाया। किसी उम्मीदवार या रिक्रूट के तौर पर नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्ति के रूप में जो पहले ही अपना योगदान दे चुका हो। मेजर ने अशोक के बारे में इतनी उदार बातें कीं कि अभी सिलेक्शन का इंतजार कर रहे अशोक को खुद भी नहीं पता था कि उनमें इतनी खूबियां हैं।

पत्नी ने मेजर की बातें पूरे ध्यान से सुनीं। उनकी आंखों में उत्सुकता थी और पति के किसी दबाव के बिना उनके होंठों से शब्द निकले जा रहे थे। उन शब्दों ने अशोक की सारी थकान मिटा दी। ऐसा होता भी क्यों नहीं? अच्छे कपड़ों में सजी-धजी, शालीन महिला के शब्द दुबले-पतले अशोक के गले में किसी माला के समान थे।

उन्हें लगा कि जॉइनिंग से पहले ही उन्होंने अपनी एक जगह बना ली है। अशोक को महसूस हुआ कि उन्हें उनके भावी पद या भूमिका के लिए नहीं, बल्कि उन प्रयासों के लिए पहचाना जा रहा है, जो वे यहां तक पहुंचने के लिए कर चुके थे। आधिकारिक तौर पर ड्यूटी शुरू करने से पहले ही एक कमांडिंग ऑफिसर ने उन पर भरोसा किया, उनसे गर्व के साथ बात की और उनकी पत्नी ने भी प्रशंसा की।

यह अशोक चौकुलकर का पहला सबक था, जो इतने वर्षों में स्कूल और कॉलेज की कोई किताब नहीं सिखा पाई- किसी युवा व्यक्ति द्वारा हासिल की गई उपलब्धि को जल्दी स्वीकारना, बिना इंतजार किए उसे प्रोत्साहित करना और लीडरशिप को महज आदेश देने के काम से आगे लेकर जाना।

अपनी पहली किताब 'कॉर्न ऑन द कॉब एंड स्टोरीज-पोर्ट्रेट्स ऑफ लाइफ' में इस अनुभव को अशोक अपने ही शब्दों में बताते हैं कि मेजर ने उनसे अपने नियुक्ति पत्र का मसौदा खुद ही बनाने को कहा, जिसे वायरलेस रेडियो के जरिए वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा जाना था। यह उनका दूसरा सबक था कि जिम्मेदारी सुविधा का इंतजार नहीं करती। उस दिन नियुक्ति पत्र मिलने से पहले ही अशोक ने सीखा कि जब वे लोगों का चयन करेंगे तो उन्हें कैसे प्रस्ताव तैयार करना सीखना होगा। वह सुबह 7 बजे घर से निकले थे और रात 9 बजे के बाद लौटे, लेकिन एक अंतर था- उनके हाथ में नियुक्ति पत्र था।

उनकी किताब आपको आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा ले जाती है, जहां उन्हें पहले दिन की ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करना था। वहां से कैसे उनकी बटालियन, 36 वाहनों के काफिले से मध्य प्रदेश के नीमच गई। और फिर अचानक आधी रात में उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भेज दी गई, जहां उन्हें पुलिस विद्रोह से निपटने में मदद करना था। उन्हें कई दिनों वहां एक पहाड़ी पर चंद बड़े पेड़ों के नीचे रहना पड़ा। इस किताब ने मुझे जो सिखाया, वह सिर्फ कहानियां ही नहीं हैं। इसके हर चैप्टर में ऐसा सबक है, जिसके बारे में आज के ज्यादातर बच्चे और कॉर्पोरेट लीडर्स तक नहीं जानते। पैसे की बहुतायत के कारण हमारे बच्चे सबसे बेहतर सुविधाओं की मांग करने लगे हैं और हमारे लीडर हमारी युवा पीढ़ी की सबसे बेहतर खूबियों को ठीक से पहचान नहीं पा रहे हैं।

फंडा यह है कि जब आगे-आगे प्रोत्साहन चलता है तो लोग दिल से उसका अनुसरण करते हैं। वे सिर्फ सैलरी के लिए काम नहीं करते बल्कि उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, क्योंकि किसी ने उनमें गर्व का बीज बो दिया होता है।

तकनीक और नीति के तालमेल से बदलेगी खेती की तस्वीर

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

पीढियों से भारतीय कृषि का आधार नियमित और अनुमानित मानसून रहा है। लेकिन आज किसानों को बढ़ते तापमान, लू, अनियमित वर्षा, बाढ़, लंबे सूखे और घटते भूजल स्तर जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ये परिस्थितियां फसल उत्पादन, किसानों की आजीविका, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे समय में कृषि का लक्ष्य उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक लचीली, अनुकूलनशील और टिकाऊ प्रणाली विकसित करना है। इसी परिप्रेक्ष्य में एआइ, सेटेलाइट फोटो, ड्रोन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और डिजिटल सलाहकारी प्लेटफॉर्म कृषि में बदलाव की नई दिशा तय कर रहे हैं। कृषि अब प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि पूर्वानुमान आधारित बन रही है। हालांकि, तकनीक का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब किसान उसे प्रभावी ढंग से अपनाने और उपयोग करने में सक्षम होंगे। आधुनिक कृषि में प्रतिदिन भारी मात्रा में डेटा उत्पन्न हो रहा है। चुनौती यह है कि उपग्रहों, सेंसर्स और जलवायु मॉडलों से प्राप्त जटिल जानकारी को किसानों के लिए सरल और उपयोगी सलाह में कैसे बदला जाए।

भारतीय विज्ञान संस्थान के एआइ एवं रोबोटिक्स प्रौद्योगिकी पार्क में विकसित एआइ आधारित हीट-स्ट्रेस पूर्वानुमान प्रणाली, किसानों को पहले से चेतावनी देकर फसलों को अत्यधिक गर्मी से होने वाले नुकसान को कम करने में मदद कर सकती है। वहीं माइक्रोसॉफ्ट और एग्रीकल्चरल डवलपमेंट ट्रस्ट, बारामती जैसी पहलों तथा खेतीबडी जैसे एग्रीटेक प्लेटफॉर्म किसानों को डिजिटल फार्म रेकॉर्ड, उपग्रह आधारित विश्लेषण और एआइ संचालित कृषि सलाह उपलब्ध करा रहे हैं। ड्रोन, रिमोट सेंसिंग और आइओटी सेंसर फसलों, मिट्टी की नमी, जल उपलब्धता, पोषक तत्वों की कमी और कीट प्रकोप की वास्तविक समय में निगरानी कर रहे हैं। एआइ विश्लेषण के साथ इन तकनीकों का संयोजन पानी, उर्वरक और अन्य संसाधनों के बेहतर उपयोग में मदद कर सकता है, जिससे लागत घटेगी और उत्पादकता बढ़ेगी।

जलवायु-सहिष्णु फसल की किस्में और अनुकूल कृषि पद्धतियां भी किसानों को बदलते मौसम के अनुरूप ढलने में मदद कर सकती हैं।

आजादी की वह कीमत, जिसे हमें कभी नहीं भूलना चाहिए

हमारे लिए 14 अगस्त केवल भारत के स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या नहीं है। यह भारतीय इतिहास का वह दिन है, जो कि इतिहास में सबसे पीड़ादायक और काले अध्याय के रूप में दर्ज है, जिसने स्वतंत्रता की खुशी के साथ करोड़ों भारतीयों के जीवन में ऐसा दर्द भर दिया, जिसकी टीस पीढ़ियों तक महसूस होती रहेगी। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अगस्त 2021 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा कर उन लाखों लोगों के संघर्ष, बलिदान और विस्थापन को राष्ट्रीय स्मृति का हिस्सा बनाया है, जिन्होंने देश के विभाजन की कीमत अपने घर, जमीन, संपत्ति, परिवार और अपने प्राण देकर चुकाई। विभाजन को समझना केवल इतिहास की एक घटना को समझना नहीं है। बल्कि यह समझना है कि स्वतंत्रता हमें कितनी बड़ी मानवीय त्रासदी की कीमत चुकाने के बाद मिली है ।

यह प्रश्न आज की पीढ़ी के सामने रखा जाना आवश्यक है। भारत का विभाजन किसी एक दिन का निर्णय नहीं था। इसके पीछे कई दशकों की औपनिवेशिक राजनीति, साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था, कतिपय नेताओं के अपने -अपने राजनीतिक हित और महत्वाकांक्षाओं का उभार, हिन्दू-मुस्लिम संबंधों में बढ़ता अविश्वास और अंतत: मुस्लिम लीग द्वारा पृथक राष्ट्र की मांग जैसे अनेक कारण थे। ब्रिटिश शासन ने भारतीय समाज की विविधताओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व के ढांचे में इस तरह इस्तेमाल किया कि हमारी सामुदायिक पहचानें धीरे-धीरे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का आधार बनती गईं। 1940 के दशक में मुस्लिम लीग की पाकिस्तान की मांग अधिक मुखर हुई और 1946 के घटनाक्रमों, कैबिनेट मिशन योजना की विफलता और उसके बाद बढ़ती साम्प्रदायिक हिंसा ने परिस्थितियों को अत्यंत जटिल बना दिया। कलकत्ता, नोआखली, बिहार, रावलपिंडी और पंजाब एवं सिंध सहित अनेक क्षेत्रों में हिंसा ने हमारें अर्वाचीन सामाजिक ताने-बाने को झकझोर दिया। ब्रिटिश सत्ता के शीघ्र हस्तांतरण के निर्णय और सत्ता के विभाजन की प्रक्रिया ने स्थिति को और भयावह बना दिया। अंतत: भारत और पाकिस्तान दो स्वतंत्र राष्ट्र बने, लेकिन इसके साथ ही वह मानवीय त्रासदी शुरू हुई, जिसकी कल्पना शायद किसी ने नहीं की थी। राष्ट्रपितामहात्मा गांधी जीवन भर भारत की एकता और हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक रहे। वे विभाजन के घोर विरोधी थे। उन्होंने कहा था कि भारत का विभाजन उनके शरीर को दो टुकड़ों में बांटने के समान होगा। लेकिन हिंसा की विकरालता और गृहयुद्ध की आशंका के सामने परिस्थितियां इतनी भयावह हो गईं कि कांग्रेस नेतृत्व ने अंतत: विभाजन की योजना स्वीकार कर ली।

विभाजन के समय सिंध, पश्चिमी पंजाब, सीमांत प्रांत और पूर्वी बंगाल से भारत आने वाले परिवारों की पीड़ा को केवल आंकड़ों अथवा संख्या में नहीं समझा जा सकता। जिस व्यक्ति का लाहौर, रावलपिंडी, मुल्तान, सियालकोट, पेशावर, कराची, हैदराबाद-सिंध या ढाका में अपना घर था, जिसके पास बड़ी कोठी थी, दुकान थी, खेत थे, कारखाना था, व्यापार था, सामाजिक प्रतिष्ठा थी। वह प्रतिष्ठित व्यक्ति अचानक शरणार्थी बन गया। किसी ने अपनी हवेली का दरवाजा बंद किया और सोचा कि कुछ दिनों में लौट आएंगे। किसी ने दुकान की चाबी पड़ोसी को सौंपते हुए कहा कि जल्द वापस आएंगे। किसी ने खेत की मिट्टी माथे से लगाई। किसी मां ने बच्चों का हाथ पकड़ा और बिना यह जाने चल पड़ी कि आगे उनका ठिकाना कहां होगा लेकिन वे लौट नहीं सके। पीछे रह गए घर, मंदिर, गुरुद्वारे, बाजार, खेत, दुकानें, रिश्तों की स्मृतियां और पीढ़ियों की जमा पूंजी। आगे था एक अनिश्चित भविष्य। विभाजन के कारण करोड़ों लोग विस्थापित हुए और यह आधुनिक इतिहास के सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी अथवा कहें जन-प्रवासों भी भयानक घटनाओं में से एक बन गया। हिंसा, हत्या और विस्थापन की अवर्णनीय घटनाओं ने लाखों परिवारों को तहस-नहस कर दिया।

खून से सनी रेलगाडियां और इंसानियत का टूटना

विभाजन की सबसे भयावह स्मृतियों में शरणार्थी रेलगाडियां भी हैं। लोग यह विश्वास लेकर ट्रेन में बैठते थे कि वे सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाएंगे, लेकिन कई रेलगाडियां अपने गंतव्य तक पहुंचीं तो उनमें जीवित यात्रियों की जगह शव थे। पंजाब की धरती पर चलने वाली इन ट्रेनों ने इतिहास के सबसे भयावह दृश्य देखे। हिंसा के दौर में यात्रियों से भरी रेलगाडियों पर हमले हुए और हजारों लोग मारे गए।

दीवार के उस पार
"फूलों की एक क्यारी,
महकती सी एक दुनिया।
जन्नत है वो हमारी,
जीने की चाह लिए मुनिया।।"
कविता"आत्मा"
– Kavita Sharma Kaushik

कैसे बदलें भारत के बेरोजगार युवाओं की तकदीर?

युवाओं के आक्रोश की लहर देश के शिक्षा मंत्री की कुर्सी ले गई। पर बड़ा सवाल है, अब आगे क्या? भारत जिस रफ्तार से बढ़ रहा है, दुनिया उसे ईर्ष्या से देखती है और उसके अपने स्नातक दर्शक दीर्घा से। इंजन खराब हो तो ड्राइवर बदलने से कुछ नहीं होता। यह मंत्री पर गुस्सा नहीं था, बल्कि उस वादे पर चढ़ता चक्रवृद्धि ब्याज था, जिसे अर्थव्यवस्था ने चुकाना बंद कर दिया। वादा था कि पढ़ोगे और सब ठीक-ठीक करोगे तो आखिर में एक नौकरी इंतजार करेगी।

नेताओं और नौकरशाहों को यह आंकड़ा रोज देखना चाहिए। 2004 से 2023 तक भारत हर साल करीब 50 लाख ग्रेजुएट वर्कफोर्स में जोड़ता रहा, लेकिन नौकरी लगभग 28 लाख को ही दे पाया। अकुशलों को छोड़िए, डिग्रीधारी भी बेकार हैं। आर्थिक सर्वेक्षण और नमक छिडक़ता है, मुश्किल से 8.25 प्रतिशत स्नातकों के पास योग्यता से मेल खाती नौकरी है, जबकि आधे से ज्यादा ऐसे काम में हैं, जो कोई 10वीं-12वीं पास व्यक्ति भी कर सकता है।

हम युवाओं को जनसांख्यिकीय लाभांश, यानी डेमोग्राफिक डिविडेंड कहते हैं। इस स्थिति में यह देनदारी हो चुकी है, जिसकी किश्त ऐसी है कि हर साल 70-80 लाख नए लोग नौकरी मांगेंगे। कहानी मांग और पूर्ति की ही है। रोजगार के अवसर, सरकारी, गैर-सरकारी, स्व-रोजगार, गिग और स्टार्टअप, मांग बनाते हैं और युवाओं की योग्यता, टैलेंट तथा जज्बा पूर्ति।

आज के विश्वविद्यालय पुराने ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलते डिग्री कारखाने बन चुके हैं। रटंत विद्या, परीक्षा का नाटक और शिक्षा के लिबास में डिग्रीवाद। वे ऐसा कागज बांट रहे हैं, जिसे आज के एआइ युग में स्टार्टअप और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर अब काबिलियत का सबूत मानते ही नहीं। कौशल का पूरा तंत्र खुद से ही बॉक्सिंग कर रहा है। स्किल इंडिया, पीएमकेवीवाई और उनकी सगी-संबंधी योजनाएं 'सर्टिफिकेट-गिनाऊ मॉडल' भर हैं। युवा फाइल में लाइन आइटम बनकर गिने गए, प्रमाणपत्र बंटे, फंड क्लेम हुए, लेकिन प्लेसमेंट किसी ने नहीं देखा। इस नाकामी का सबसे बड़ा सबूत यह है कि करीब दस राज्य अब बेरोजगार स्नातकों को सीधे नकद यानी बेरोजगारी भत्ता दे रहे हैं। सरकार ने नौकरी पैदा करने का दावा छोड़ दिया है और युवाओं को सम्मान के साथ बेरोजगार बने रहने के लिए पैसे देने लगी है। तो अब आगे क्या? इस संकट को हल करने के लिए नारों की नहीं, ठोस उपायों की जरूरत है।

पहला, विश्वविद्यालयों में आउटकम-आधारित फंडिंग। यूजीसी और एआईसीटीई को सिर्फ नामांकन और इमारतों के आधार पर फंडिंग देना बंद करना होगा। संस्थागत अनुदान का 30 प्रतिशत हिस्सा सीधे सत्यापित आजीविका-परिणामों, जैसे प्लेसमेंट, अप्रेंटिसशिप या पूर्व छात्रों के जीएसटी-पंजीकृत उद्यमों आदि से जोड़ा जाना चाहिए। डिग्री कारखानों की बैलेंस शीट पर चोट कीजिए, पाठ्यक्रम सुबह तक खुद सुधर जाएगा।

एमएसएमई बनें रोजगार का आधार

दूसरा उपाय, एमएसएमई अप्रेंटिसशिप। 'उद्योग की साझेदारी' का मतलब सिर्फ टाटा या इंफोसिस नहीं हो सकता। कॉर्पोरेट इंडिया 80 लाख युवाओं को नहीं सोख सकता। हमारा असली निशाना भारत की 8 करोड़ एमएसएमई हैं। सरकार को चाहिए कि भ्रष्ट स्किलिंग सेंटरों को बायपास करके पैसा सीधे स्थानीय लघु उद्योगों को दे। एक या दो युवाओं को 'अप्रेंटिस'रखने के बदले उन्हें वेतन सब्सिडी या टैक्स रिबेट मिले। अगर हर दसवीं इकाई भी ऐसा करे तो रातों-रात 80 लाख व्यावहारिक प्रशिक्षण सीटें तैयार हो जाएंगी।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

महाराज श्रीदशरथ, जिनकी रामायण में प्रशंसा तो बार-बार की गई है लेकिन वहीं कैकेई के भवन में जाने के प्रसंग में तुलसीदासजी ने महाराज श्रीदशरथ की आलोचना की है। महाराज श्रीदशरथ की कमी यही है कि वे जब कैकेई के भवन की ओर जाने लगे तो कैकेई के प्रति आसक्ति लेकर गए। इसका अर्थ है कि क्रिया के मूल में आसक्ति एवं कर्मफल की तीव्रतम आकांक्षा जहां होगी वहां रामराज्य नहीं बनेगा। इसका तात्पर्य तो समझ में आता है, क्योंकि मार्ग में चल पड़ना ही केवल यथेष्ट नहीं है, अगर व्यक्ति ऐसे मार्ग पर चल पड़े जहां पर कोई चिकनी वस्तु अथवा कोई छिलका गिरा हुआ हो, घी या तेल गिरा हुआ हो अथवा जहां पर फिसलन हो गई हो तो उसका परिणाम होगा कि वह बिना गिरे नहीं रहेगा। और फिसलकर गिरने पर लक्ष्य तक पहुंचना तो दूर उसका हाथ पैर और टूट जाएगा। ठीक इसी प्रकार से महाराज श्रीदशरथ के अंत:करण में स्नेह भी है और आसक्ति भी है। आसक्ति का अभिप्राय है कि हमने इस फिसलन का निर्माण कर लिया है क्योंकि कोई व्यक्ति ऐसा हो ही नहीं सकता जिसके जीवन में आसक्ति तो हो पर फिसलन न हो। भई ! आसक्ति (कीचड़) के मार्ग से जो चलेगा उस व्यक्ति के फिसलने की संभावना बनी रहेगी। महाराज श्रीदशरथ के चरित्र में भी आप यही तथ्य पाएंगे। यद्यपि महाराज श्रीदशरथ के पैर तो बड़े धीरे-धीरे पड़ रहे हैं लेकिन वे जा रहे हैं कीचड़ की ओर ही। जब लोग कीचड़ में चलते हैं तो बहुधा पैर संभाल कर ही रखते हैं लेकिन पैर कितना भी संभालकर रखें अगर कीचड़ बहुत अधिक दूर तक है तो उसका गिरना अवश्यंभावी है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

वन महोत्सव : पौधरोपण से आगे बढ़ने का समय

जुलाई का पहला सप्ताह वन महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1950 में तत्कालीन कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी की पहल पर आरंभ हुआ यह अभियान केवल पेड़ लगाने का कार्यक्रम नहीं था। इसके पीछे यह विचार था कि वन संरक्षण को सरकारी दायित्व तक सीमित न रखकर जनभागीदारी का विषय बनाया जाए। सात दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इस अभियान की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। बल्कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा और घटते भूजल स्तर ने इसकी आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ा दी है। किंतु हर वर्ष करोड़ों पौधे लगाने के दावों के बीच यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इन अभियानों से वास्तव में कितना स्थायी परिवर्तन आया है। भारतीय वन सर्वेक्षण की 'इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट-2023' के अनुसार देश का कुल 'वन एवं वृक्ष आवरण' 8,27,357 वर्ग किलोमीटर, अर्थात भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर (21.76 प्रतिशत) वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर (3.41 प्रतिशत) वृक्ष आवरण शामिल है।

यह स्थिति उत्साहजनक अवश्य है, परंतु इन आंकड़ों को सतही दृष्टि से देखने के बजाय उनके भीतर छिपे संकेतों को समझना अधिक आवश्यक है। कई क्षेत्रों में वृक्षों की संख्या बढ़ी है, लेकिन प्राकृतिक वनों पर दबाव भी बना हुआ है। विशेषकर पूर्वोत्तर भारत के कुछ राज्यों में वनावरण में कमी दर्ज की गई है, जबकि मध्य भारत के कई वनक्षेत्र खनन, सडक़ निर्माण और अन्य विकास परियोजनाओं के दबाव का सामना कर रहे हैं। इसलिए केवल हरित क्षेत्र बढऩा पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्राकृतिक वनों का सुरक्षित रहना अधिक आवश्यक है।

वास्तविक चुनौती पौधरोपण नहीं, वृक्षों का संरक्षण है। प्रत्येक वर्ष राज्यों द्वारा करोड़ों पौधे लगाए जाते हैं। उत्तर प्रदेश ने भी हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान चलाए हैं। किंतु अनेक स्वतंत्र अध्ययनों और सरकारी समीक्षा बैठकों में यह स्वीकार किया गया है कि पौधों के जीवित रहने की दर हर स्थान पर संतोषजनक नहीं रहती। कई स्थानों पर पौधे रोप दिए जाते हैं, लेकिन सिंचाई, सुरक्षा और नियमित देखरेख के अभाव में कुछ ही महीनों में वे नष्ट हो जाते हैं। यदि एक पौधा वृक्ष बनने तक सुरक्षित नहीं पहुंचता तो पौधरोपण का पूरा प्रयास केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। इसलिए अब अभियान की सफलता लगाए गए पौधों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके जीवित रहने की दर से मापी जानी चाहिए।

वन संरक्षण को केवल पर्यावरण का प्रश्न मानना भी पर्याप्त नहीं है। इसका सीधा संबंध कृषि, जल, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से है। भारतीय कृषि का बड़ा हिस्सा आज भी वर्षा पर निर्भर है। वन वर्षाचक्र को संतुलित रखने, भूजल के पुनर्भरण, मिट्टी के कटाव को रोकने तथा नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यही नहीं, देश के करोड़ों लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वन आधारित आजीविका पर निर्भर हैं। बांस, लाख, शहद, तेंदूपत्ता और अनेक लघु वनोपज आज भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार हैं। वन केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि एक जीवंत आर्थिक और पारिस्थितिक तंत्र हैं।

आज जलवायु परिवर्तन के प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। इस वर्ष भी देश के अनेक भागों में सामान्य से अधिक तापमान, असामान्य वर्षा और चरम मौसमी घटनाएं देखने को मिलीं। संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न जलवायु रिपोर्ट्स लगातार चेतावनी दे रही हैं कि यदि प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों का संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाले दशकों में जल संकट, जैव विविधता का ह्रास और खाद्य सुरक्षा की चुनौतियां और गहरी होंगी।

ऐसे समय में वन महोत्सव को केवल एक वार्षिक सरकारी कार्यक्रम के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह भी आवश्यक है कि पौधरोपण स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप हो। कई बार केवल लक्ष्य पूरा करने के लिए ऐसी प्रजातियां लगा दी जाती हैं, जो उस क्षेत्र की पारिस्थितिकी के अनुकूल नहीं होतीं। विशेषज्ञ लंबे समय से इस बात पर बल देते रहे हैं कि स्थानीय और देशज प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि वही स्थानीय जलवायु, मिट्टी और वन्यजीवों के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करती हैं। इसी प्रकार शहरों में भी केवल सजावटी पौधों के स्थान पर छायादार और दीर्घजीवी वृक्षों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। वन महोत्सव की सबसे बड़ी सफलता तब होगी, जब यह सरकारी अभियान से आगे बढक़र सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बने। विद्यालयों में लगाए गए पौधों की जिम्मेदारी विद्यार्थियों को मिले, ग्राम पंचायतें सामुदायिक वन विकसित करें, नगर निकाय अपने हरित क्षेत्रों की नियमित निगरानी करें और प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में कम-से-कम एक वृक्ष को सुरक्षित रखने का संकल्प ले।

पर्यावरण की रक्षा केवल कानूनों और योजनाओं से नहीं होती, बल्कि समाज की सहभागिता से होती है। वन महोत्सव हमें यही याद दिलाता है कि वृक्ष भविष्य की आवश्यकता नहीं, वर्तमान की अनिवार्यता हैं। पौधरोपण का महत्व तब सिद्ध होगा, जब लगाए गए पौधे आने वाले वर्षों में घने वृक्ष बनकर धरती को छाया, जल और जीवन दे सकें। हरियाली का वास्तविक विस्तार संख्या से नहीं, संरक्षण की निरंतरता से होता है। यही वन महोत्सव का मूल संदेश भी है।

रैली-जुलूस के लिए 7 दिन पहले लेनी होगी परमिशनग

रायपुर। शहर में रैली-जुलूस, सार्वजनिक खेल मैदान में आयोजन, पंडाल या अस्थायी संरचना लगाने के लिए अब कम से कम 7 दिन पहले अनुमति के लिए आवेदन करना होगा। रायपुर नगर निगम ने आयोजन से जुड़ी अनुमति प्रक्रिया और जरूरी दस्तावेजों को लेकर निर्देश जारी किए हैं।

इच्छुक व्यक्ति या संस्था को संबंधित क्षेत्र के नगर निगम जोन कार्यालय में निर्धारित प्रारूप में आवेदन देना होगा। आवेदन के साथ 4 विभागों के अनापत्ति प्रमाण पत्र (ह्हष्ट) भी जमा करना अनिवार्य होगा।

इन 4 विभागों की NOC जरूरी

आवेदन के साथ निम्न विभागों की **NOC** लगानी होगी—

अनुविभागीय दंडाधिकारी/राजस्व विभाग

पुलिस विभाग

जिला सेनानी, होमगार्ड एवं अग्निशमन विभाग

विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता या सहायक अभियंता

आयोजन के बाद सफाई व्यवस्था का शुल्क भी बढ़ा दिया है। अब प्रति आयोजन 1,000 रुपए शुल्क देना होगा। पहले यह शुल्क 500 रुपए था।

नगर निगम ने रैली-जुलूस के बाद होने वाली सफाई शुल्क 500 से बढ़कर 1,000 रुपए

नगर निगम के मुताबिक यह शुल्क मेयर इन काउंसिल की 23 सितंबर 2025 की बैठक के संकल्प क्रमांक 10 और नगर निगम सामान्य सभा की 29 अक्टूबर 2025 की बैठक के संकल्प क्रमांक 14 के अनुसार निर्धारित किया गया है।

सार्वजनिक खेल मैदान में आयोजन, पंडाल या अस्थायी संरचना लगाने की अनुमति के लिए संबंधित क्षेत्र के जोन कार्यालय में कार्यालयीन दिवस और समय पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही रैली-जुलूस की अनुमति के लिए भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा।

किराए पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

गंगरेल बांध में मिली 37 साल पुरानी तीर्थंकर नेमिनाथ की दुर्लभ प्रतिमा

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के प्रसिद्ध गंगरेल बांध में जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ की करीब 37 साल पुरानी दुर्लभ सफेद संगमरमर की प्रतिमा मिलने से जैन समाज में हलचल तेज हो गई है। करीब 11 इंच ऊंची इस प्रतिमा को 12 अगस्त की देर रात ससम्मान धमतरी के श्री पार्श्वनाथ जिनालय में सुरक्षित स्थापित कराया गया। प्रतिमा के मिलने के साथ ही इससे जुड़ा रहस्य भी गहरा गया है। प्रतिमा पर मौजूद बहुमूल्य आभूषण गायब हैं, जिसके कारण जैन समाज में आशंका जताई जा रही है कि संभवत: किसी जिनालय से प्रतिमा चोरी करने के बाद उसकी पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसे गंगरेल बांध के जलस्तर वाले क्षेत्र में फेंक दिया गया होगा। हालांकि, प्रतिमा चोरी की है या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। मिली हुई संगमरमर की प्रतिमा पर विक्रम संवत 2046 और 'शंकर नगर रायपुर' अंकित है। इसी आधार पर प्रतिमा को करीब 37 वर्ष पुरानी माना जा रहा है। प्रतिमा पर पूज्य जिन उदय सागर जी महाराज और उनके शिष्य महोदय सागर जी महाराज के नाम भी उत्कीर्ण हैं।

स्वतंत्रता दिवस की फाइनल ड्रेस रिहर्सल पूरी

सेंट्रल फोर्सेज समेत 17 प्लाटून परेड में होंगे शामिल, रायपुर में सीएम साय करेंगे ध्वजारोहण

रायपुर। राजधानी के पुलिस परेड ग्राउंड में 15 अगस्त को होने वाले स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियां लगभग पूरी हो गई है। गुरुवार को फाइनल ड्रेस रिहर्सल हुई। इसमें 17 प्लाटून ने पूरे जोश के साथ मार्च पास्ट किया। स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ध्वजारोहण करेंगे।

इस बार मुख्य समारोह में केंद्रीय सुरक्षा बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल और जिला पुलिस बल की टुकड़ियां शामिल होंगी। इनके अलावा जेल, नगर सेना और एनसीसी के दल भी परेड का हिस्सा रहेंगे। समारोह में डॉग शो और हॉर्स शो के साथ स्कूली बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियां भी होंगी।

प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम और एडीजी विवेकानंद सिन्हा की मौजूदगी में पुलिस आयुक्त संजीव शुक्ला और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने समारोह स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, परेड, मंच, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को देखा और जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारी हरीश तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस परेड ग्राउंड पहुंचे। उन्होंने ध्वजारोहण किया। इसके बाद उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। समारोह के दौरान स्वतंत्रता दिवस के मुख्य आयोजन की तरह ही सभी कार्यक्रमों का अभ्यास किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह को व्यवस्थित और सुरक्षित तरीके से आयोजित करने के लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई है। फुल ड्रेस रिहर्सल के जरिए समारोह के दौरान होने वाली गतिविधियों और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया।

परेड की तैयारी 29 जुलाई से चल रही थी। इसके तहत जवानों और अलग-अलग दलों ने लगातार अभ्यास किया। गुरुवार को फाइनल ड्रेस रिहर्सल में परेड को उसी तरह कराया गया, जिस तरह 15 अगस्त को मुख्य समारोह में किया जाएगा।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम होने के कारण तैयारियों को लेकर विशेष अभ्यास कराया गया है। 15 अगस्त को मार्च पास्ट के बाद मुख्यमंत्री का संबोधन होगा। इसके बाद मेडल सेरेमनी, डॉग शो, हॉर्स शो और स्कूली बच्चों के कार्यक्रम होंगे।

प्लाटून में सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल, बिहार पुलिस सहित छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल पुरुष, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल महिला, छत्तीसगढ़ पुलिस (पुरुष)।

जेल पुलिस (पुरुष), नगर सेना (पुरुष), नगर सेना (महिला), एनसीसी की बालक-बालिका टुकड़ियां, घुड़सवार दल, डॉग स्क्वॉड एवं बैंड प्लाटून शामिल होंगे। वहीं महिला बैगपाइपर बैंड की ओर से आरक्षक सोनबती ठाकुर के नेतृत्व में प्रस्तुति दी जाएगी जो मार्चिंग प्रेजेंटेशन होगी।

रायपुर में शुरू होगा प्लास्टिक बैंक: नगर निगम बिसलेरी के साथ मिलकर शहर में 6 जगह लाएगी प्रोजेक्ट

रायपुर। रायपुर में अब प्लास्टिक कचरे को सड़क, नाली और लैंडफिल तक पहुंचने से पहले ही रोकने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए नगर निगम रायपुर ने बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर 'बॉटल्स फॉर चेंज' पहल शुरू की है।

इसके तहत शहर के 6 प्रमुख स्थानों पर प्लास्टिक बैंक बनाए जाएंगे। यहां लोग अपना प्लास्टिक कचरा जमा कर सकेंगे।

6 जगहों पर जमा होगा प्लास्टिक कचरा

नगर निगम के मुताबिक, शहर में 6 जगहों पर प्लास्टिक बैंक बनाए जाएंगे। इनमें नगर निगम मुख्यालय, आजाद चौक, बूढ़ा तालाब स्थित शीतला मंदिर के पास, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के बाहर, अनुपम गार्डन और महादेव घाट शामिल हैं।

इन प्लास्टिक बैंकों में जमा कचरे को दूसरे कचरे से अलग रखा जाएगा। इसके बाद इसे रिसाइकिलिंग के लिए भेजा जाएगा।

46 हजार बोतलों से बनेगी बेंच

इस अभियान के तहत बिसलेरी करीब 46 हजार प्लास्टिक बोतलें इकट्ठा करेगी। इन बोतलों को रिसाइकिल कर एक बेंच बनाई जाएगी। यह बेंच नगर निगम को मुफ्त में दी जाएगी।

इस पहल के जरिए लोगों को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि इस्तेमाल के बाद फेंकी गई प्लास्टिक बोतलों को भी दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है।

अभियान को केवल सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं रखा जाएगा। अगले चरण में आवासीय कॉलोनियों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, होटल-रेस्टोरेंट और थोक कचरा उत्पादकों से भी प्लास्टिक कचरा एकत्र किया जाएगा। इसके लिए नियमित प्लास्टिक कलेक्शन ड्राइव भी चलाए जाएंगे।

रायपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज के इंटर्न छात्रों का प्रदर्शन, 30 हजार रुपए प्रतिमाह की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे एमबीबीएस इंटर्न छात्रों ने मासिक स्टाइपेंड 15,900 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करने की मांग तेज कर दी है। इसी मांग को लेकर गुरुवार को पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज समेत विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न छात्रों ने पैदल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आगे हड़ताल की रणनीति अपनाई जाएगी।

30 हजार रुपये मासिक स्टाइपेंड की मांग

इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि वर्तमान में उन्हें केवल 15,900 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जा रहा है, जबकि वे अस्पतालों में नियमित रूप से मरीजों की देखभाल, इमरजेंसी सेवाओं, वार्ड ड्यूटी और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हैं। उनका कहना है कि बढ़ती महंगाई और कार्यभार को देखते हुए स्टाइपेंड बढ़ाना आवश्यक है।

110 आवारा मवेशी लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे 40 किसान बोले: शहर के मवेशी गांवों में छोड़ रहा नगर निगम

रायपुर/अंबिकापुर। शहर में आवारा मवेशियों की समस्या का समाधान नहीं निकला तो परसाभकुरा के किसानों ने गुरुवार को ऐसा रास्ता चुना, जिसे देखकर अफसर भी हैरान रह गए। 40 किसान करीब 110 से अधिक मवेशियों को 15 किमी दूर से हांकते हुए सीधे कलेक्टोरेट पहुंच गए और कलेक्टर दफ्तर के बाहर खड़ा कर दिया।

यानी जिस समस्या की शिकायत किसान महीनों से कर रहे थे, उसे इस बार उन्होंने सीधे प्रशासन के दरवाजे पर पहुंचा दिया। दोपहर 12 बजे अचानक इतने मवेशियों के पहुंचते ही कलेक्टोरेट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। कई घंटे तक अफसर ग्रामीणों को समझाइश देते रहे, लेकिन ग्रामीण फसलों को नुकसान होने की बात पर पहल नहीं करने को लेकर मजबूरीवश ऐसा कदम उठाने की बात कहते रहे।

किसान बोले- हमारी रोजी-रोटी सिर्फ खेती कलेक्टोरेट पहुंचे किसानों के साथ भकुरा के पूर्व सरपंच मनोज सिंह ने बताया कि खेतों में धान की फसल अभी ठीक से तैयार भी नहीं हुई है। इसके बाद भी मवेशी खेतों मे घुसकर उत्पात मचा रहे हैं। किसान इतना सक्षम ही नहीं है कि अपने खेतों का घेराव करा पाएं। हमारी रोजी-रोटी सिर्फ खेती ही है, अगर ये भी मवेशी खा जाएंगे तो हम क्या खाएंगे

आरोप: गांव के नहीं हैं ये मवेशी

इधर, किसानों ने नगर निगम पर भी आरोप लगाया कि कई बार शहर के मवेशियों को गांवों में छोड़ दिया जाता है, इससे भी परेशानी बढ़ गई है। भकुरा गांव में किसानों के पास भी मवेशी हैं, लेकिन किसान अपने मवेशी बांधकर रखते हैं, लेकिन बाहर से लोग मवेशी को पास के गांवों में छोड़ देते हैं, जिससे समस्या बढ़ गई है। वहीं इन आरोपों को नगर निगम के पशु विभाग ने खारिज कर दिया है।

किसानों की समस्या सुन ली गई है। इसके समाधान पर प्लानिंग करने की जरूरत है। अफसरों को निर्देश दिए गए हैं। हम इसके लिए प्लानिंग भी कर रहे हैं। -अजीत वसंत, कलेक्टर, सरगुजा

नेशनल हाइवे-30 पर बुधवार देर रात खपरी से अर्जुनी बाइपास के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से 4 मवेशियों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हैदराबाद की कंपनी से 22 लाख वसूली का आदेश: यूनीफॉर्म रंगने थान भेजे थे, 60 हजार मीटर कपड़ा कम लौटाया बदले में भेजी कतरन

रायपुर। हथकरघा संघ स्कूल यूनिफॉर्म की रंगाई में बड़ा घोटाला फूटा है। यहां से लाखों मीटर थान कपड़ा डाई कराने हैदराबाद भेजा गया। वहां से तैयार थान के साथ कतरनें भी रंगकर भेज दी गईं।

करीब छह माह तक यह गड़बड़ी पकड़ में नहीं आई, क्योंकि जिन लोगों को कपड़े की जांच करनी थी, उन्होंने करीब 60 हजार मीटर कपड़े के बंडल खोलकर देखा ही नहीं और सही होने की रिपोर्ट दे दी।

बाद में गोदाम प्रभारी ने अफसरों को बताया कि भेजा गया कपड़ा हथकरघा संघ का नहीं है। इसके बाद हड़कंप मचा। आनन-फानन में जांच कमेटी बनाई गई। जांच में हथकरघा से अलग कपड़ा होने की पुष्टि हुई।

मामले में तत्कालीन गोदाम प्रभारी रामकिशुन देवांगन को निलंबित कर दिया गया, जबकि तकनीकी कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी गई। मारुति कोटेक्स लिमिटेड, हैदराबाद से 22.42 लाख रुपए की वसूली के निर्देश दिए गए हैं। फर्जीवाड़ा पिछले साल 2025-26 शिक्षा सत्र के लिए बांटे गए यूनीफार्म में किया गया है।

हाथकरघा संघ ने जेम पोर्टल के जरिए निविदा कर मारुति कोटेक्स को डाईंग, प्रोसेसिंग और प्रिंटिंग का काम दिया था। इसके लिए 65.06 लाख मीटर ग्रे कपड़ा भेजा गया। कंपनी ने 63.16 लाख मीटर फ्रेश यानी थान कपड़ा यूनीफार्म के रंग में रंगकर लौटाया। इसके साथ 1.90 लाख मीटर कटपीस, सेकंड क्लास, मिस प्रिंट और वेस्टेज भी भेजा गया।

15 अगस्त से पहले सेंट्रल जेल से 9 उम्रकैदी रिहा:हाथ में गीता लेकर निकले, कहा-अब बाकी जिंदगी अच्छे से गुजारेंगे; कल 12 और छूटेंगे

रायपुर। 15 अगस्त से पहले रायपुर सेंट्रल जेल से 1 महिला समेत 9 कैदियों को रिहा किया गया है। सभी हत्या के केस में उम्र कैद की सजा काट रहे थे। जेल से निकलते वक्त सभी कैदियों के हाथ में गीता थी। कुछ के परिवार वाले लेने आए थे। तो कुछ अकेले अपने बाकी का सफर पूरा करने निकल पड़े।

जेल से रिहा होने के बाद कुछ कैदियों ने बस इतना कहा कि बाकी जिंदगी अच्छे से गुजारनी है। तो कुछ सिर्फ मुस्कुरा कर आगे बढ़ गए। सब खुश थे। लेकिन खुशी का इजहार कर पाएं इतने शब्द नहीं थे।

जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री ने बताया कि राज्य सरकार के आदेश के तहत केंद्रीय जेल रायपुर से आज 9 बंदियों को रिहा किया गया है। इसके अलावा 12 और ऐसे बंदी हैं, जो उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। उनकी बची हुई सजा माफ होने के बाद उन्हें आज या कल रिहा किया जा सकता है।

जेल अधीक्षक ने बताया कि कैदियों को जेल में उनके काम और अच्छे व्यवहार के आधार पर सजा में छूट दी जाती है। यह फैसला किसी एक अधिकारी के स्तर पर नहीं होता, बल्कि पूरी प्रक्रिया के बाद लिया जाता है।

सबसे पहले जिस जगह कैदी काम करता है, वहां से उसके व्यवहार और काम की रिपोर्ट ली जाती है। इसके बाद अलग-अलग अधिकारियों से भी उसके आचरण के बारे में जानकारी ली जाती है। सभी रिपोर्ट देखने के बाद जेलाध्यक्ष अंतिम मंजूरी देते हैं। अगर कोई बंदी जेल में दिया गया काम ठीक से करता है, जेल के नियमों का पालन करता है और अनुशासनहीनता नहीं करता है तो उसके आचरण को अच्छा माना जाता है।

किसी व्यक्ति को सजा होने के बाद उसे कन्विक्ट बंदी के रूप में जेल की दंडित शाखा में दर्ज किया जाता है। उसकी हिस्ट्री टिकट तैयार की जाती है, जिसमें उसकी सजा और केस से जुड़ी पूरी जानकारी दर्ज होती है।

उससे अपील के बारे में भी जानकारी ली जाती है। अगर उसने अपील नहीं की है तो जरूरत पड़ने पर विधिक सहायता के जरिए अपील कराई जाती है।

इसके बाद उसका स्वास्थ्य परीक्षण होता है और उसकी रुचि के अनुसार उसे जेल में काम दिया जाता है।

Vastu Guruji

BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >

CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज स्वास्थ्य कुछ नरम रह सकता है, इसलिए अपनी दिनचर्या में लापरवाही न करें। कार्यक्षेत्र में सावधानी बरतते हुए हर जिम्मेदारी को ध्यानपूर्वक पूरा करें। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय परेशानी खड़ी कर सकता है। नौकरीपेशा लोगों को किसी महत्वपूर्ण काम में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। व्यापारियों को लेन-देन करते समय दस्तावेजों की अच्छी तरह जांच करनी चाहिए।

वृषभ। आर्थिक स्थिति अच्छी रहने की संभावना है और आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिल सकता है और किसी नई जिम्मेदारी की शुरुआत हो सकती है। व्यापार में नए ग्राहक या लाभदायक प्रस्ताव मिलने के योग हैं।

मिथुन। आज परिवार का सहयोग आपको हर महत्वपूर्ण काम में मजबूती देगा। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ सकती है, लेकिन योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सभी जिम्मेदारियां समय पर पूरी हो जाएंगी। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों का साथ मिलेगा। व्यापारियों के लिए नए संपर्क लाभकारी साबित हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और आय के साथ खर्च भी बढ़ सकता है,

कर्क। आज मानसिक तनाव से बचना आपके लिए सबसे जरूरी रहेगा। छोटी-छोटी बातों को लेकर अधिक चिंता करने के बजाय धैर्य से परिस्थितियों का सामना करें। कार्यक्षेत्र में कुछ दबाव या अतिरिक्त जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, लेकिन समझदारी से काम लेने पर सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों से सहयोग प्राप्त हो सकता है। व्यापार में जल्दबाजी से कोई बड़ा निर्णय न लें।

सिंह। आज काम का दबाव अधिक रह सकता है, लेकिन मेहनत के अनुरूप आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और वरिष्ठ अधिकारी आपकी कार्यक्षमता पर ध्यान देंगे। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में सफलता मिलने से मान-सम्मान बढ़ सकता है। व्यापारियों को लाभदायक सौदा मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है, फिर भी अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

कन्या। आज आपकी पुरानी इच्छाओं में से कोई पूरी होने की संभावना है। लंबे समय से प्रतीक्षित सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और क्षमता की सराहना होगी, जिससे मान-सम्मान बढ़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। व्यापारियों को पुराने संपर्कों से लाभ हो सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहने की उम्मीद है।

तुला। आज मित्रों और पुराने परिचितों से मेल-मिलाप का अवसर मिल सकता है। किसी मित्र की सलाह आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। कार्यक्षेत्र में सामान्य स्थिति रहेगी और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में पुराने संपर्कों के माध्यम से लाभ का अवसर मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

वृश्चिक। कार्यक्षेत्र में प्रगति के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आपकी मेहनत और कार्यक्षमता वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी या महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट मिलने की संभावना है। व्यापार में लाभ के अवसर बनेंगे, लेकिन जोखिम भरे निवेश से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी योजना में पैसा लगाने से पहले पूरी जानकारी हासिल करें।

धनु। आज यात्रा के योग बन रहे हैं। कामकाज से जुड़ी यात्रा आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और किसी मंदिर या धार्मिक स्थल पर जाने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में नए संपर्क बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन यात्रा और अन्य खर्चों के कारण बजट प्रभावित हो सकता है।

मकर। आज सहकर्मियों के साथ किसी छोटी बात को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए संयम से काम लें। कार्यस्थल पर किसी की बात का तुरंत जवाब देने के बजाय पहले परिस्थिति को समझना बेहतर होगा। नौकरीपेशा लोगों को अपने काम पर पूरा ध्यान केंद्रित करना चाहिए। व्यापार में सामान्य लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें। परिवार में सहयोग का वातावरण बना रहेगा और जीवनसाथी का साथ मिलेगा। प्रेम संबंधों में संवाद बनाए रखना जरूरी होगा।

कुंभ। आज व्यापार में नए मौके मिलने की संभावना है। नए ग्राहक, संपर्क या प्रस्ताव आपके कारोबार को आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। आर्थिक लाभ की स्थिति बन सकती है और आय के नए स्रोत सामने आ सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा और किसी पुराने प्रोजेक्ट को फिर से गति मिल सकती है। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

मीन। आज किए गए कार्यों का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और तरक्की के नए अवसर सामने आ सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। व्यापारियों को पुराने सौदों से लाभ मिलने की उम्मीद है और नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो सकता है। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे मजबूत होगी, लेकिन खर्चों को नियंत्रित रखना जरूरी है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और किसी सदस्य के साथ महत्वपूर्ण बातचीत हो सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखनी चाहिए। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, फिर भी संतुलित खान-पान और पर्याप्त आराम पर ध्यान दें।

मुख्यमंत्री ने चेताया, झारखंड करेगा आंदोलन

संसद से पास खान एवं खनिज विकास और विनियमन संशोधन बिल का झारखंड सरकार ने किया विरोध

रांची। संसद से पारित एमएमडीआर (खान एवं खनिज विकास और विनियमन) संशोधन बिल को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने काला बिल बताया है। उन्होंने इसके खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि खनिज सेस रोककर केंद्र ने झारखंड के अधिकारों पर कुठाराघात किया है। राज्य के हाथ-पैर काटने का काम किया है। इस कानून के खिलाफ झारखंड ऐसा आंदोलन करेगा, जिसे पूरा देश देखेगा।

इस मुद्दे पर उन्होंने गुरुवार को झामुमो के सांसदों, मंत्रियों, विधायकों और जिलों के पार्टी पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। उनसे राय-मशविरा कर देशव्यापी आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा-खनिज झारखंड का, जमीन झारखंड की तो हमारे हक का फैसला दिल्ली क्यों करेगी। लोकसभा और राज्यसभा में जल्दीबाजी में यह बिल पास कराकर केंद्र सरकार ने झारखंड और झारखंडियों के साथ अन्याय किया है। यह झारखंड के आर्थिक हितों के खिलाफ है। इससे राज्य के विकास और भविष्य पर बड़ा कुठाराघात होगा। झारखंड यह सौतेला व्यवहार नहीं सहेगा।

इसी बीच झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने चेताया कि केंद्र हमें 1980 के दशक के उग्र आंदोलन की ओर लौटने पर मजबूर न करे। अगर राज्य के हक पर डाला डाला गया तो जन-जागरण और धरना-प्रदर्शन के साथ आर्थिक नाकेबंदी की जाएगी। झारखंड से खनिज का एक ढेला भी बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। गौरतलब है कि इस कानून के लागू होने के बाद राज्य सरकारें खनिज और खनिजयुक्त जमीन पर

अतिरिक्त टैक्स या सेस नहीं लगा सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खनिज सेस से मिलने वाले राजस्व पर असर पड़ने से सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाएं प्रभावित होंगी। मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, पेंशन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी योजनाएं बंद होने के कगार पर पहुंच जाएगी। झामुमो इस कानून का पुरजोर विरोध करता है। केंद्र सरकार ने इस कानून को वापस नहीं लिया तो हर जिले, प्रखंड, पंचायत और शहर में इसका विरोध किया जाएगा। झारखंड को उसका हक नहीं मिला तो राज्य निर्णायक और ऐतिहासिक फैसले लेने से पीछे नहीं हटेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि झारखंड दशकों से देश को कोयला, लोहा, बॉक्साइट और यूरेनियम दे रहा है। इसके बदले यहां के लोगों को विस्थापन, पर्यावरण प्रदूषण, जंगलों के नुकसान और आजीविका छिनने की कीमत चुकानी पड़ी। राज्य में खनन का बड़ा हिस्सा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किया जाता है। ऐसे में खनन से पैदा आर्थिक मूल्य का न्यायसंगत हिस्सा स्थानीय विकास पर खर्च होना चाहिए।

इस विधेयक के खिलाफ मुख्यमंत्री ने केंद्र के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। इसमें लिखा है कि विधेयक में जोड़ी गई धारा 9डी राज्यों के खनिज भूमि पर टैक्स या सेस लगाने के संवैधानिक अधिकार को कमजोर करती है। इससे संघीय ढांचे और राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर संशोधन वापस नहीं हुआ तो सुप्रीम कोर्ट जाने के साथ कानूनी और संवैधानिक विकल्प अपनाया जाएगा। राष्ट्रपति को लिखे पत्र में हेमंत ने कहा है कि यह संशोधन सिर्फ राजस्व का विषय नहीं है, बल्कि राज्यों की विधायी एवं वित्तीय स्वायत्तता, संघीय ढांचे, आदिवासी समुदाय और खनन प्रभावित क्षेत्र के अधिकारों से जुड़ा प्रश्न है। इसलिए संविधान में उपलब्ध सभी विकल्पों पर विचार करें, ताकि इन्हें न्यायसंगत महत्व मिल सके। मुख्यमंत्री ने 25 जुलाई 2024 के सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संविधान पीठ के 'मिनरल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी बनाम सेल' फैसले का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि संविधान की सातवीं अनुसूची की राज्य सूची की प्रविष्टि 49 के तहत राज्यों को खनिज युक्त भूमि पर टैक्स लगाने का अधिकार है।

हाईकोर्ट का आदेश-विज्ञापन पट को हटाएं:अदालत ने कहा- सड़क किनारे लगाए गए बोर्ड, राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बन सकते हैं

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को झारखंड स्टेट आउटडोर एडवरटाइजिंग एसोसिएशन और आरडीएस एडवरटाइजिंग एंड मार्केटिंग ग्रुप की याचिकाओं पर सुनवाई हुई। जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि रांची में सड़क और डिवाइडर पर कम ऊंचाई में लगाए गए विज्ञापन बोर्ड हर हाल में हटाएं। अदालत ने रांची नगर निगम को निर्देश दिया है कि सड़क के डिवाइडर पर स्ट्रीट लाइट के खंभों से लगाए गए ऐसे सभी विज्ञापन बोर्ड, होर्डिंग और प्लेकार्ड हटाएं जो सड़क की सतह से 12 फीट से कम ऊंचाई पर हैं।

अदालत ने कहा कि इस तरह लगाए गए बोर्ड राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बन सकते हैं। अदालत ने सुनवाई के दौरान मामले से जुड़े दस्तावेज के साथ दी गई तस्वीरों का भी अवलोकन किया। इसमें एक बड़ा यूनीपोल सड़क की ओर निकला

हुआ था और उसका एक हिस्सा सड़क के बीच तक पहुंच गया था। अदालत ने इसे राहगीरों के लिए खतरा बताया। जबकि, सड़क के डिवाइडर पर लगे स्ट्रीट लाइट के खंभों पर भी लगे कुछ विज्ञापन बोर्ड इतने नीचे थे कि वहां से गुजरने वाले बाइक और स्कूटर सवारों के सिर से टकराने का खतरा था। कोर्ट ने कहा कि सड़क के बीच बिजली या स्ट्रीट लाइट के खंभों पर कम ऊंचाई में लगाए गए विज्ञापन बोर्ड ब्लाइंड स्पॉट बनता है। इसलिए ऐसे सभी बोर्ड हटाए जाएं।

नगर निगम ने होर्डिंग-मोनोपोल और यूनीपोल हटाने का दिया है निर्देश

एडवरटाइजिंग एसोसिएशन ने होर्डिंग, मोनोपोल और यूनीपोल को हटाने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उनका कहना है कि सभी होर्डिंग को खतरनाक मानना उचित नहीं है। निगम को यह बताना चाहिए कि कौन-कौन से होर्डिंग खतरा पैदा कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान निगम की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मोनोपोल, यूनिपोल, विज्ञापन होर्डिंग, बिलबोर्ड और प्लेकार्ड वाहन चालकों का ध्यान भटका सकते हैं। इससे दुर्घटना की आशंका रहती है। निगम ने इस मामले में जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय मांगा, जिसे स्वीकार कर लिया है।

निगम ने ही मोनोपोल लगाने की स्वीकृति दी

नगर निगम ने ही शहर में मोनोपोल और यूनीपोल लगाने की स्वीकृति दी है। इसके लिए विज्ञापन एजेंसियों को मनचाहा साइट देने के लिए निगम के पदाधिकारियों ने लाभ भी लिया। जब विज्ञापन एजेंसियों ने अनुमति लेकर मोनोपोल-यूनिपोल की संरचना बनाकर लगा लिया तब निगम ने उसे हटाने का निर्देश दे दिया। इससे विज्ञापन एजेंसियां सकते में हैं। निगम के इस आदेश को रद कराने की मांग को लेकर विज्ञापन एजेंसियों के एसोसिएशन की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है।

डीसी ने अफीम की खेती नष्ट करने और स्कूलों के 500 मीटर दायरे को ड्रग-फ्री जोन बनाने का निर्देश

दुमका। दुमका में मादक पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग पर लगाम कसने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला एनसीओआरडी समिति की बैठक हुई। इसमें जिले में नशे की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए। बैठक में तय हुआ कि मादक पदार्थों की मांग में कमी लाने के लिए गतिविधियों की नियमित निगरानी की जाएगी।

जमीनी स्तर पर नशे से जुड़ी गतिविधियों की पहचान कर अलग-अलग विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाकर कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। जिले में सक्रिय ड्रग नेटवर्क के स्रोत, बिचौलियों और वितरण चैनलों को चिन्हित कर उन पर सीधा प्रहार करने का फैसला लिया गया। अंचल अधिकारियों और थाना प्रभारियों को अपने-अपने इलाकों में सूचना तंत्र मजबूत करने का निर्देश दिया गया। अवैध अफीम की खेती की पहचान कर उसे नष्ट करने को कहा गया। स्कूल-कॉलेजों के 500 मीटर दायरे को ड्रग-फ्री जोन के रूप में सख्ती से लागू करने पर विशेष बल दिया गया। होटल, रेस्टोरेंट, बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। अवैध खरीद-बिक्री और नशे के सेवन के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने 16 ढाबों-होटलों का किया निरीक्षण, अनियमितता मिलने पर जुर्माना लगाया

लोहरदगा। खाद्य सुरक्षा कार्यालय लोहरदगा द्वारा कुडू प्रखण्ड मुख्यालय तथा कुडू-रांची हाईवे पर ढाबा/होटलों में उपयोग होने वाले पनीर की गुणवत्ता जांच के लिए एक विशेष सघन छापेमारी अभियान चलाया गया और पनीर के नमूनों की ऑन स्पॉट जांच की गई। लगभग 16 ढाबों/होटलों, मिष्ठान भण्डरों का औचक निरीक्षण किया गया।

मेसर्स बिहारी ढाबा में स्टार्च युक्त पनीर का उपयोग करते हुए पाए गए और लगभग 2 किलो पनीर को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। निरीक्षण के क्रम में मेसर्स अजय ढाबा में भारी मात्रा में एक्सपायरी मसालें, पेय पदार्थ, बिस्किट

इत्यादि मिले। सभी सामानों को नष्ट करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 5,000 (पांच हजार) रुपये का अर्थदण्ड लगाया गया जिसे चालान के माध्यम से तीन दिनों के अंदर बैंक में जमा करने का निर्देश दिया गया।

मेसर्स राधिका ढाबा में बिना वैध अनुज्ञप्ति के प्रतिष्ठान संचालन करने पर 500 (पांच सौ) रुपये का अर्थदण्ड लगाया गया। कुडू बस स्टैंड स्थित मिष्ठान भण्डार संचालको को खाद्य पदार्थ को खुला अवस्था में नही रखने तथा इस कार्य के लिए ग्लास कैबिनेट का उपयोग करने का निर्देश दिया गया।

नगर आयुक्त ने दुकानदारों संग की बैठक:डेली मार्केट की 292 दुकानों का होगा पुनर्विकास

रांची। राजधानी रांची के मेन रोड स्थित प्रमुख व्यावसायिक केंद्र 'एसके सहाय डेली मार्केट' को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। लगभग 1.17 एकड़ भूमि पर फैले इस मार्केट के योजनाबद्ध पुनर्विकास को लेकर गुरुवार को नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में दुकानदारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि पुनर्विकास का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों को बेहतर व्यावसायिक माहौल देना है। साथ ही पार्किंग, ट्रैफिक व बुनियादी सुविधाओं का स्थायी समाधान निकाला जाएगा।

वर्तमान में इस मार्केट में रांची नगर निगम की 66 और आरआरडीए की 226 दुकानें संचालित हो रही हैं। पुराना ढांचा होने और व्यावसायिक दबाव बढ़ने के कारण इसका जीर्णोद्धार जरूरी हो गया है। दुकानदारों को दिखाना होगा मूल कागजात: नगर आयुक्त ने सभी वर्तमान दुकान संचालकों से अपने मूल एवं वैधानिक आवंटन दस्तावेज सुरक्षित रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जब भी निगम या आरआरडीए द्वारा दस्तावेज मांगे जाएं, उन्हें प्रस्तुत करें।

12 वर्षों से बन रही री-डेवलपमेंट की योजना, एग्रीमेंट हुआ पर विरोध में फंसा

मेन रोड स्थित डेली मार्केट की 1.17 एकड़ जमीन नगर निगम की है। निगम ने छोटे-छोटे दुकान बनाकर दुकानदारों को आवंटित किया था। लेकिन यहां से निगम को नाममात्र का किराया मिलता है। जबकि, यहां पर जमीन की कीमत करोड़ों रुपए है। इसे देखते हुए निगम ने पहली बार 2014 में डेली मार्केट की जगह मल्टीलेवल कॉमर्शियल कांप्लेक्स बनाने की योजना बनाई थी। इसका डिजायन बना और बिल्डर से एग्रीमेंट भी हुआ, लेकिन स्थानीय दुकानदार विरोध में उतर आए। इस वजह से मार्केट नहीं बना। 12 वर्ष बाद एक बार फिर यहां मार्केट बनाने की तैयारी हो रही है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

4		6	5		2	8		9
				4			3	
								5
6			8			1		
5				7			8	
3		2	9		4		6	
	2		6					1
				5	3	9	4	
8	3			9				2

पिछले अंक का उत्तर

2	3	5	9	8	6	7	4	1
6	8	7	4	2	1	9	5	3
9	1	4	3	5	7	2	8	6
4	7	2	8	3	5	6	1	9
3	6	8	2	1	9	5	7	4
5	9	1	7	6	4	8	3	2
1	4	6	5	7	2	3	9	8
8	5	9	6	4	3	1	2	7
7	2	3	1	9	8	4	6	5

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

भद्रकाली मंदिर से 81 कांवरियों का जत्था देवघर के लिए रवाना

इटखोरी। सावन के पवित्र महीने में आस्था का माहौल है। ग्राम करनी से 81 कांवरियों का जत्था बुधवार को मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना कर बाबा भोलेनाथ की नगरी देवघर के लिए रवाना हुए। देवघर मेल कांवरिया संघ, करनी के बैनर तले आयोजित इस यात्रा में कांवरिया बम सुल्तानगंज स्थित उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में जल अर्पण करेंगे।

यात्रा का नेतृत्व संघ अध्यक्ष राजेंद्र कुमार दांगी कर रहे हैं। संचालन निरंजन कुमार पांडेय द्वारा किया जा रहा है, जबकि टीम मैनेजमेंट की जिम्मेदारी सोनू कुमार दांगी के पास है। संघ के संस्थापक बबलू कुमार हैं। इस यात्रा में सूर्यदेव चंद्रवंशी, सुबोध शर्मा इटखोरी, बबलू कुमार चंद्रवंशी करनी, अजीत कुमार यादव, पवन कुमार दांगी, रंजीत रंजन, पवन, जिगर पांडेय सहित दर्जनों कांवरिया बम शामिल हैं। महिला कांवरिया बम के रूप में सुनैना पांडेय, ज्योति कुमारी, गुंजा देवी, सोना देवी, कुंती देवी और पूनम देवी भी बाबा के दर्शन के लिए जा रही हैं।

पहली बार महिला-पुरुष हॉकी वर्ल्डकप एक साथ होंगे: 32 टीमों में 50 मुकाबले; भारत-पाकिस्तान मैच 19 अगस्त को

15 अगस्त से हॉकी वर्ल्ड कप की शुरुआत हो रही है। पहली बार महिला और पुरुष के टूर्नामेंट एक साथ हो रहे हैं। बेल्जियम और नीदरलैंड मिलकर इसकी मेजबानी कर रहे हैं।

भारतीय पुरुष टीम वेल्स के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगी। यह मैच दोपहर 4:30 बजे शुरू होगा। इससे पहले महिलाओं का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच दोपहर 1:30 बजे से होगा।

16 दिन चलेंगे टूर्नामेंट, 2 वेन्यू पर मुकाबले

शनिवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट 16 दिन तक चलेंगे। दोनों टूर्नामेंट में कुल 50 मैच खेले जाएंगे। इनका आयोजन 2 फेज में होगा। पहला ग्रुप स्टेज, क्रॉसओवर पूल। फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच होंगे। सभी मैच 2 वेन्यू पर आयोजित होंगे।

कुल 32 टीमें हिस्सा ले रहीं

मेंस और विमेंस वर्ल्ड कप में 16-16 टीमें (कुल 32 टीमें) हिस्सा लेंगी। ग्रुप स्टेज में 16 टीमें 4 ग्रुप (ए, बी, सी, डी) में बंटेंगी और हर टीम 3 मैच खेलेगी। हर ग्रुप से टॉप-2 टीम क्रॉसओवर राउंड में जाएगी। इन 8 टीमों को 2 ग्रुपों में बांटा जाएगा।

इस राउंड में हर टीम तीन और मैच खेलेगी। ये मुकाबले उन

टीमों से होंगे, जिनसे उसका मैच नहीं हुआ है। यहां से टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल पहुंचेंगी।

29-30 अगस्त को फाइनल होंगे

फाइनल मैच 29 और 30 अगस्त को खेले जाएंगे। महिला वर्ल्ड कप का फाइनल 29 अगस्त को खेला जाएगा। जबकि, पुरुष वर्ल्ड कप का खिताबी मुकाबला 30 अगस्त को रात 8:00 बजे से शुरू होगा। दोनों फाइनल के दिन ब्रॉन्ज मेडल मैच भी होंगे।

पुरुष टीम :

गोलकीपर्स: मोहित एच.एस., सूरज करकेरा।

डिफेंडर्स: हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच।

मिडफील्डर्स: मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलाकंता शर्मा, राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे।

फॉरवर्ड्स: मंदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा।

महिला टीम:

गोलकीपर्स: सविता पूनिया, बिशू देवी खरीबाम।

डिफेंडर्स: ईशिका चौधरी, सुशीला चानु पुखरंबम, लालथंटलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास।

मिडफील्डर्स: सलीमा टेटे (कप्तान), निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, नेहा, दीपिका सोरेंग।

फॉरवर्ड्स: लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसाल, नवनीत कौर, दीपिका सहरावत, ईशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

ईनामी राशि नहीं, ट्रॉफी और मेडल मिलेंगे

हॉकी वर्ल्ड कप में ईनामी राशि नहीं है। इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन वर्ल्ड कप या प्रो लीग जैसे वर्ल्ड लेवल टूर्नामेंट्स में ट्रॉफी और मेडल्स देते हैं।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 300 अंक गिरकर 77,800 पर आया, निफ्टी भी 80 अंक नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार, 14 अगस्त को गिरावट देखने को मिल रही है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 300 अंक टूटकर 77,800 के स्तर पर आ गया है। वहीं निफ्टी में भी 80 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह करीब 24,300 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बाजार में निवेशकों की सतर्कता के बीच प्रमुख शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिल रहा है।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

भारतीय बाजार के साथ एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला रुख रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 79 अंक बढ़कर 6,892 पर कारोबार कर रहा है। जापान का निक्केई 580 अंक की तेजी के साथ 68,889 पर पहुंच गया। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 231 अंक गिरकर 25,166 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजारों में तेजी

13 अगस्त को अमेरिकी बाजारों में तेजी देखने को मिली। डाउ जोन्स 70 अंक बढ़कर 53,840 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डैक 215 अंक की तेजी के साथ 26,803 और एस-जेड 500 50 अंक बढ़कर 7,799 के स्तर पर पहुंचा। अमेरिकी बाजारों की मजबूती के बावजूद भारतीय बाजार में आज दबाव देखने को मिल रहा है।

विदेशी निवेशकों ने पिछले सात दिनों में भारतीय शेयर बाजार में 720 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की है। हालांकि ताजा आंकड़ों में **FII/FPI** ने 511 करोड़ रुपये की बिकवाली की। दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों यानी **DII** ने हालिया सत्र में 4,353 करोड़ रुपये की खरीदारी की है। पिछले 30 दिनों में **DII** की कुल खरीदारी 34,726 करोड़ रुपये रही।

जुलाई में थोक महंगाई 9.87% से घटकर 9.78% हुई: ईंधन और बिजली में थोड़ी राहत, लेकिन खाने-पीने की चीजें महंगी

जुलाई में थोक महंगाई दर मामूली घटकर 9.78% हो गई। एक महीने पहले जून में ये 9.87% थी। जुलाई की दर जून के मुकाबले 0.09% कम रही। आज 14 अगस्त को सरकार ने ये आंकड़े जारी किए हैं।

महंगाई दर घटकर 9.78% पर आने का मतलब यह है कि सामान सस्ता नहीं हुआ है, बल्कि उसके महंगे होने की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी है।

यानी जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में ?100 का मिल रहा था, वह आज लगभग ?109.78 का है। कीमतें नीचे गिरने के बजाय अब भी बढ़ ही रही हैं, बस उनके बढ़ने की स्पीड जून के मुकाबले जुलाई में मामूली सी सुस्त हुई है।

खाने-पीने की चीजों की कीमतें लगातार दबाव का बड़ा कारण बनी हुई है। ड्ड्ड फूड इंडेक्स की कुल थोक महंगाई में 24.99% हिस्सेदारी है। ये जुलाई में 6.65% पर पहुंच गया। यह जून में दर्ज 6.14% से ज्यादा है। इस इंडेक्स में 'प्राइमरी आर्टिकल्स' के तहत आने वाली खाने-पीने की चीजें और 'मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स' के तहत आने वाले फैक्ट्री में बने पैकेटबंद खाद्य उत्पाद दोनों शामिल हैं।

क्या हुआ है: इसकी मंगाई दर जून के 7.0% से बढ़कर जुलाई 2026 में 8.52% हो गई। यानी जुलाई में सब्जियों,अनाज और कच्चे माल जैसी चीजो के दाम जून के मुकाबले और तेजी से बढ़े हैं। क्या असर होगा: जब सब्जियों, अनाज, दूध और दालों की थोक कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका सीधा और सबसे तेज असर आपकी रसोई के बजट पर पड़ता है।

क्या हुआ है: इसकी मंगाई दर जून के 27.41% से घटकर जुलाई में 20.05% पर आ गई है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली की कीमतों में जून की तुलना में जुलाई में थोड़ी नरमी आई है और हंगाई की रफ्तार धीमी हुई है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

भारत कल से 600वां टेस्ट खेलेगा: जीता तो वेस्टइंडीज की बराबरी करेगा; श्रीलंका में स्पिन खेलना चुनौती

भारत 15 अगस्त से अपना 600वां टेस्ट मैच खेलेगा। यह मैच श्रीलंका के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में सुबह 10 बजे से खेला जाएगा।

अगर इंडिया इस मुकाबले को जीत लेता है, तो सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने के मामले में वेस्टइंडीज की बराबरी कर लेगा।

इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ 48% मैच जीते

भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ 46 मैच खेले हैं। इनमें से 22 में जीत मिली है, जोकि 48% है। 7 में हार झेलनी पड़ी है। 17 मैच ड्रॉ रहे हैं।

श्रीलंकाई पिचों में भारत की जीत का रिकॉर्ड 38% है। टीम ने श्रीलंकाई में 24 मैच खेले हैं। उसे 9 में जीत और 7 में हार मिली है। 8 मैच ड्रॉ रहे हैं।

भारतीय बैटर्स के सामने सबसे बड़ा चैलेंज स्पिन ट्रैक पर बल्लेबाजी होगा। उसने ग्रासी पिच पर वॉर्मअप मैच खेला है, जबकि गॉल की पिच स्पिन फ्रेंडली बताई जा रही है। भारतीय बल्लेबाज 2021 के बाद से स्पिनर्स के खिलाफ स्ट्रगल कर रहे हैं।

टीम चोटों से जूझ रही है। जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर, साई सुदर्शन और हर्षित राणा जैसे रेग्युलर प्लेयर्स चोटिल हैं। सारांश जैन और गुरनूर बरार जैसे नए प्लेयर्स को मौका मिला है।

कप्तान शुभमन गिल सहित 12 खिलाड़ियों ने श्रीलंका में एक भी टेस्ट नहीं खेला है। केवल 4 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनके पास श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है।

सरफराज खान: 2 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। चेतेश्वर पुजारा के बाद नंबर-3 का बल्लेबाज अब तक नहीं मिला है। ऐसे में सरफराज के प्रदर्शन पर नजरें होंगी।

मोहम्मद सिराज: चोटिल बुमराह इस दौरे का हिस्सा नहीं है। ऐसे में सिराज पेस बॉलिंग अटैक को लीड करेंगे।

सारांश जैन: ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते हैं। वॉशिंगटन सुंदर का रोल निभाना होगा। अश्विन के बाद टीम को स्पेशलिस्ट स्पिनर की तलाश है। हालांकि, सुंदर टीम के रेग्युलर मेंबर हैं।

गॉल में 68% विकेट स्पिनर्स ने झटके

गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच ट्रेडिशनली स्पिन गेंदबाजों की मददगार पिच मानी जाती है। इस मैदान पर 49 मैच खेले गए हैं। इनमें 68% विकेट स्पिनर्स के नाम रहे हैं। 26 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीम ने जीते हैं, जबकि 16 मैच पहले बॉलिंग करने वाली टीम ने जीते हैं।

स्टार्क टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट वाले लेफ्ट-आर्म गेंदबाज बने

डार्विन के मरारा क्रिकेट ग्राउंड में बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट के दूसरे दिन मिचेल स्टार्क ने शादमान इस्लाम को आउट कर अपना 434वां टेस्ट विकेट लिया। इसके साथ ही वे टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले लेफ्ट-आर्म गेंदबाज बन गए। स्टार्क ने श्रीलंका के रंगना हेराथ के 433 विकेट का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा।

वहीं, बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 130 रन बना लिए हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया 198 रन पर ऑलआउट हो गई थी। यह टेस्ट में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम स्कोर है।

434 विकेट के साथ स्टार्क ने भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव के टेस्ट विकेटों की भी बराबरी कर ली। कपिल ने 131 टेस्ट में 434 विकेट लिए थे, जबकि स्टार्क ने यह आंकड़ा 106 टेस्ट में हासिल किया।

अब स्टार्क टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। उनसे आगे 439 विकेट के साथ साउथ अफ्रीका के डेल स्टेन हैं।

स्टार्क 400 या उससे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले दुनिया के दूसरे लेफ्ट-आर्म पेसर हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के वसीम अकरम ने 414 विकेट लिए थे। स्टार्क अब अकरम को पीछे छोड़ चुके हैं और लेफ्ट-आर्म पेसर के साथ-साथ सभी लेफ्ट-आर्म गेंदबाजों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

द हंड्रेड में आईपीएल का फॉर्मूला फेल:महंगे टिकटों से खाली स्टेडियम, भड़के फैंस; अगले 3 साल में बंद हो सकती है लीग

लंदन। इंग्लैंड की 100 गेंदों वाली चर्चित लीग द हंड्रेड का छठा सीजन इस समय एक बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है। एक तरफ हैरी ब्रुक और जोस बटलर जैसे स्टार खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ टूर्नामेंट की लगातार कम होती लोकप्रियता आयोजकों की नींद उड़ा रही है।

भारी-भरकम निवेश और आईपीएल फ्रेंचाइजियों की एंट्री के बावजूद द हंड्रेड को दर्शकों से बेहद निराशाजनक प्रतिक्रिया मिली है। आलम यह है कि शुरुआती मैचों में दर्शकों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 20 से 27 प्रतिशत तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है।

इस गिरावट का सबसे बड़ा कारण स्थानीय पहचान का खोना माना जा रहा है। आईपीएल मालिकों ने टूर्नामेंट में भारी निवेश किया है, लेकिन इसके साथ ही टीमों का रंग-रूप, जर्सी और नाम भी पूरी तरह बदल दिया गया है। ओवल इनविंसिबल्स अब एमआई लंदन बन गई है, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स को मैनचेस्टर सुपर जायंट्स और नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स को सनराइजर्स लीड्स नाम दे दिया गया है। इंग्लैंड के क्रिकेट फैंस अपनी स्थानीय टीमों से गहरा भावनात्मक जुड़ाव रखते हैं। अचानक से जर्सी का रंग और टीम का नाम बदलने से दर्शक खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। दर्शकों की बेरुखी का दूसरा कारण टिकटों के बढ़ते दाम हैं। शुरुआती सीजनों में जिन मैचों के लिए परिवारों और बच्चों को फ्री पास बांटे जाते थे, अब उनके लिए करीब 5800 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। इसके विपरीत, इंग्लैंड के पारंपरिक काउंटी और टी20 ब्लास्ट में दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। यॉर्कशायर और लंकाशायर के बीच हुए टी20 ब्लास्ट मैच में 16,500 दर्शकों के साथ स्टेडियम खचाखच भरा था, जबकि द हंड्रेड में हैरी ब्रुक की पारी देखने बमुश्किल 9000 लोग स्टेडियम पहुंचे।

भारत पहली बार कॉमनवेल्थ फेंसिंग का ओवरऑल चैंपियन: 13 गोल्ड समेत 35 मेडल जीते, विल्किंसन स्वॉर्ड ट्रॉफी भी मिली

भारत ने नाइजीरिया के लागोस में कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप में पहली बार ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब जीता है। भारतीय फेंसर्स ने सीनियर और अंडर-23 कैटेगरी में कुल 35 मेडल जीते।

पहली बार मिली 'विल्किंसन स्वॉर्ड ट्रॉफी

इस प्रदर्शन के लिए भारत को विल्किंसन स्वॉर्ड ट्रॉफी भी मिली। यह कॉमनवेल्थ फेंसिंग फेडरेशन की ओर से चैंपियनशिप में सबसे अच्छे ओवरऑल प्रदर्शन के लिए दी जाती है। भारत ने पहली बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया है।

चौथे दिन 6 में से 5 गोल्ड जीते

सीनियर भारतीय फेंसर्स ने प्रतियोगिता के चौथे दिन 6 इवेंट में से 5 में गोल्ड जीते। भारत ने पुरुष सेबर, महिला सेबर, पुरुष एपे, महिला एपे और महिला फॉइल में गोल्ड हासिल किया। पुरुष फॉइल में भारत को सिल्वर मेडल मिला।

फेंसिंग में भारत का सबसे सफल प्रदर्शन

भारत ने सेबर, एपे और फॉइल तीनों हथियारों में मजबूत प्रदर्शन किया। अंडर-23 खिलाड़ियों के प्रदर्शन के साथ सीनियर फेंसर्स की सफलता ने भारत को चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचाया।

भारत की मेडल टैली

मेडल	संख्या
गोल्ड	13
सिल्वर	08
ब्रॉन्ज	14
कुल मेडल	35

FAI महासचिव ने खिलाड़ियों को बधाई दी

फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया 3के महासचिव राजीव मेहता ने भारतीय टीम की सफलता पर खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पहली बार कॉमनवेल्थ ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब जीतना भारतीय फेंसिंग में प्रतिभा, अनुशासन और मेहनत का परिणाम है।

विधानसभा चौक से खरोरा तक 'तिरंगामय' हुआ धरसींवा; अनुज शर्मा की अगुवाई में 20 गांवों से गुजरी शौर्य यात्रा

धरसींवा / खरोरा। धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक अनुज शर्मा के ओजस्वी नेतृत्व में आज क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया गया। 'एक कदम देश के नाम' के संकल्प के साथ निकाली गई इस विशाल बाइक रैली में कार्यकर्ताओं का अपार उत्साह और देशभक्ति का अनूठा जज्बा देखने को मिला। विधायक अनुज शर्मा ने स्वयं विधानसभा चौक से राष्ट्रीय ध्वज लहराकर इस तिरंगा यात्रा का औपचारिक शुभारंभ किया।

खुद बुलेट पर सवार हुए विधायक अनुज शर्मा

पूरी यात्रा के दौरान विधायक अनुज शर्मा खुद बुलेट (बाइक) पर सवार होकर आगे चल रहे थे, जिन्हें देखकर कार्यकर्ताओं का उत्साह दोगुना हो गया। रैली में शामिल सैकड़ों कार्यकर्ताओं के हाथों में लहराता राष्ट्रध्वज और उनके चेहरों पर देशभक्ति का अनूठा प्रेम देखते ही बन रहा था। भारत माता के जयकारों और गगनभेदी राष्ट्रभक्ति के नारों से पूरा धरसींवा क्षेत्र गुंजायमान रहा।

विधानसभा चौक से प्रारंभ होकर यह विशाल तिरंगा यात्रा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से गुजरते हुए राष्ट्रप्रेम का संदेश फैलाती रही। यह यात्रा ग्राम बरोदा, भुरकोनी, मांढ़र, सिलतरा, चरौदा, धरसींवा, कुंरा, देवरी, मनोहरा, कुथरेल, मलौद, कुरुद, सिलयारी, बरतोरी, खौना, कुर्रा, बंगोली, मुरा और मोहरेंगा होते हुए नगर पंचायत खरोरा पहुंची। पूरे मार्ग में हर एक गांव और हर एक गली में स्थानीय नागरिकों एवं ग्रामीणों द्वारा पुष्पवर्षा, आरती और भव्य आतिशबाजी के साथ यात्रा का अभूतपूर्व स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जनसैलाब को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने अत्यंत ओजस्वी शब्दों में कहा — 'आज हमारी धरसींवा की इस पवित्र धरा पर देशभक्ति का जो जनसैलाब उमड़ा है, उसने यह साबित कर दिया है कि हमारे लिए राष्ट्रप्रेम से बढ़कर कुछ भी नहीं है। विधानसभा चौक से लेकर खरोरा तक, हर एक गांव में जिस तरह आप सभी ने हाथों में तिरंगा थामकर कदम बढ़ाया है, मैं आप सभी के इस असीम जोश और समर्पण को नमन करता हूँ। यह तिरंगा यात्रा केवल एक रैली नहीं, बल्कि हमारे अमर बलिदानियों के प्रति हमारी अटूट निष्ठा और सच्ची श्रद्धांजलि है।'

भाषण के दौरान तिरंगे की महिमा और उसके रंगों की सुंदर व्याख्या करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा — 'हमारा यह तिरंगा सिर्फ तीन रंगों का कपड़ा नहीं है, यह हमारे 140 करोड़ भारतीयों का स्वाभिमान है, अमर शहीदों का बलिदान है और एक सशक्त, नए भारत की पहचान है। इसका केसरिया रंग हमें वीरता, सफेद रंग शांति और हरा रंग हमारी खुशहाली को दर्शाता है। वहीं बीच में स्थित अशोक चक्र हमें याद दिलाता है कि भारत न कभी रुका है और न कभी झुका है। आज जब कोई नागरिक हाथ में तिरंगा लेकर सड़क पर निकलता है, तो केवल एक झंडा नहीं, बल्कि पूरे देश का स्वाभिमान और गर्व लहराता है।'

उन्होंने आगे कहा — 'आज हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत जिस तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, वह एक नए युग, नए आत्मविश्वास और अजेय शक्ति का उद्घोष है।

पेयजल के लिए अब तय नहीं करनी पड़ती दूरी, जल जीवन मिशन से बदली तस्वीर

रायपुर। जल जीवन मिशन के तहत कांकेर के अंदरूनी क्षेत्रों में सोलर पंपों से पेयजल की आपूर्ति हो रही है। जिन गांवों में पहले पीने के पानी के लिए जद्दोजहद कर लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं आज सोलर पंपों से स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल प्रत्येक घर में पहुंच रहा है। कुछ साल पहले ग्रामीण महिलाओं को पानी भरने के लिए काफी दूर चलना पड़ता था, कुओं व हैण्डपंपों पर घंटों लाइन लगानी पड़ती थी, लेकिन आज स्थिति बेहतर हो गई है।

कांकेर के कोयलीबेड़ा क्षेत्र के वनांचल ग्राम बिर्रेबेड़ा में जल जीवन मिशन के तहत 2 सोलर पेयजल पंपों की स्थापना छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा की गई है। सोलर पंपों की स्थापना से ग्रामीणों को गंदे पानी की समस्याओं से मुक्ति मिली है। सोलर ड्यूल पंप की स्थापना से शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

राज्य स्तरीय अभियंता अलंकरण समारोह कल

रायपुर। मानव विज्ञान एवं सेवा संस्थान छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में राज्य स्तरीय अभियंता अलंकरण समारोह का आयोजन 16 अगस्त, रविवार को शाम 4 बजे से छत्तीसगढ़ी अग्रवाल भवन, पुरानी बस्ती, रायपुरमें किया जाएगा। समारोह में राज्य के विभिन्न विभागों में कार्यरत चयनित 21 वरिष्ठ, विशिष्ट एवं श्रेष्ठ अभियंताओं को सम्मानित किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार, छत्तीसगढ़ शासन के आमंत्रित मंत्रीगण समारोह में अभियंताओं को अलंकरण प्रदान करेंगे। अभियंताओं को विकास का पर्याय बताते हुए संस्थान ने कहा कि राज्य के निर्माण, अधोसंरचना विकास और विभिन्न परियोजनाओं को धरातल पर उतारने में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उनके श्रम, निष्ठा और समर्पण को सम्मानित करना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। समारोह में प्रमुख रूप से रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे के उपस्थित रहने की जानकारी दी गई है।

संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर विजय कुमार कासू ने बताया कि यह आयोजन अभियंता अलंकरण की 25वीं कड़ी है। संस्थान लंबे समय से राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अभियंताओं को प्रोत्साहित और सम्मानित करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल किसी व्यक्ति विशेष का सम्मान नहीं, बल्कि सृजन, निर्माण और विकास की भावना का सम्मान है।

राज्य स्तरीय अभियंता अलंकरण समारोह के संयोजक ए. बी. दुबे के अनुसार, चयनित वरिष्ठ, विशिष्ट एवं श्रेष्ठ अभियंताओं को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा। इनमें अभियंता रत्न, अभियंता प्रतिभा रत्न, सर्वोत्तम अभियंता अवार्ड तथा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रमुख हैं।

आयोजकों ने बताया कि समारोह का उद्देश्य अभियंताओं के योगदान को समाज के सामने लाना और नई पीढ़ी के तकनीकी विशेषज्ञों को अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। राज्य में सड़कों, भवनों, सिंचाई, विद्युत, नगरीय विकास और अन्य अधोसंरचना परियोजनाओं के निर्माण में अभियंताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। समारोह के माध्यम से उन अभियंताओं के कार्यों को रेखांकित किया जाएगा, जिन्होंने अपनी तकनीकी दक्षता, मेहनत और जिम्मेदारी के साथ छत्तीसगढ़ के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य नागरिक, अधिकारी, अभियंता और समाजसेवी भी शामिल होंगे।

शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

रायपुर। शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में 'नशा मुक्त भारत अभियान' एवं 'मिशन स्पंदन' के संयुक्त तत्वावधान में '10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान' के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह अभियान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय (मेडिकल विंग) द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने हाथ आगे बढ़ाकर जीवन भर नशे से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने में योगदान देने की शपथ ली ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा महाविद्यालय प्रशासन को अभियान में सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों और विद्यार्थियों ने '10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा' से संबंधित पोस्टर और पम्फलेट प्रदर्शित कर 'विकसित भारत' के निर्माण में नशा मुक्ति के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर संस्था के प्रतिनिधियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण के लिए युवाओं का नशा मुक्त रहना अत्यंत आवश्यक है।

चिरायु टीम की पहल से तीन बच्चों को मिला नया जीवन

रायपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित जांच, बीमारियों की शीघ्र पहचान और उन्हें समय पर उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों ने तीन परिवारों के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। धमतरी जिले की चिरायु टीम-बी मगरलोड की सतर्कता और तत्परता से जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित तीन बच्चों की समय रहते पहचान हुई और उन्हें विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराया गया। चिरायु टीम-बी मगरलोड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान केरिना कंवर (15 वर्ष), कुमकुम साहू (3 वर्ष) एवं युवेश कमार (9 वर्ष) में संभावित जन्मजात हृदय रोग के लक्षण पाए गए।

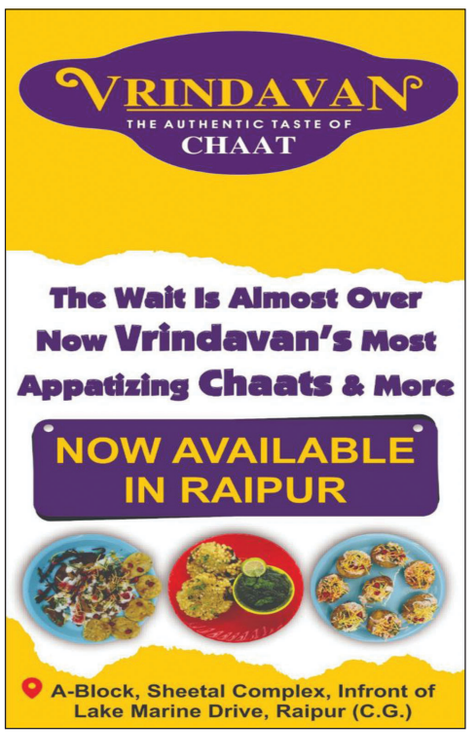

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684